दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-163 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) बुधवार 05 अगस्त 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

तबाही बनकर आई बारिश, असम में अब तक 87 तो केरलम में 15 की मौत; लाखों लोग प्रभावित

नई दिल्ली, (आरएनएस)। असम और केरल में तेज बारिश और बाढ़ ने तबाही मचा दी है. इस बीच, असम में बाढ़ से दो और लोगों की मौत हो गई है. असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि दोनों मौतें शिवसागर जिले में हुई है. दो नए मृतकों को मिलाकर असम में बाढ़ की वजह से अब तक 87 लोगों की जान जा चुकी है।

सोमवार को असम प्रशासन द्वारा जारी किए गए बुलेटिन के अनुसार, सात जिलों में 1.28 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं. असम सरकार ने बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित 75 हजार से अधिक परिवारों के लिए अंतरिम राहत के रूप में करीब 160 करोड़ रुपये की पहली किस्त जारी की है. अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने डिब्रूगढ़ से अतंरिम राहत की पहली किस्त जारी की. सिवासागर, चराइदेव, जोरहाट और गोलाघाट जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हैं. इन जिलों में क्षतिग्रस्त घरों वाले करीब 75 हजार परिवारों को 15-15 हजार रुपये दिए. साथ ही मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत प्रभावित पात्र परिवारों के लिए सब्सिडी जारी की है।

वहीं, केरलम में बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 15 लोगों की मौत हो गई है. केरलम के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने सोमवार को बताया था कि केरल में भारी बारिश की वजह से आई बाढ़ और भूस्खलन से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है।

मॉनसून एक्टिव, कई राज्यों में भारी बारिश के आसार, सामान्य से 12 प्रतिशत कम हुई वर्षा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। देश के उत्तरी और पूर्वी हिस्सों में मानसून फिलहाल सक्रिय बना हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार आने वाले दिनों में हिमालयी क्षेत्र, पूर्वी भारत और पूर्वोत्तर राज्यों में भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि मध्य और पश्चिम भारत में वर्षा की गतिविधियां धीरे-धीरे कमजोर पड़ सकती हैं। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि बदलते मानसूनी स्वरूप और जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा का वितरण लगातार असमान होता जा रहा है।मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, देश में एक जून से तीन अगस्त के बीच 416.3 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई, जबकि इस अवधि में सामान्य वर्षा 472.6 मिलीमीटर होती है। इस प्रकार देश में अब तक लगभग 12 प्रतिशत वर्षा की कमी दर्ज की गई है।देश के 16 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सामान्य से कम वर्षा हुई है, 16 राज्यों में सामान्य वर्षा दर्ज की गई है, जबकि चार राज्यों में सामान्य से अधिक वर्षा रिकॉर्ड की गई है। वर्षा के असमान वितरण के कारण कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है, वहीं कई हिस्से अब भी सूखे जैसी परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं।

जेन-ज़ेड को टारगेट करने का प्लान! जैश आतंकी हमीम मंडल, अर्पिता से पूछताछ, एनआईए और एसटीएफ को मिले अहम सुराग

कोलकाता, (आरएनएस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और राज्य पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के मुताबिक, गिरफ्तार किए दो लोग, हमीम मंडल और अर्पिता से पूछताछ में जैश-ए-मोहम्मद और आईएसआई से उनके कथित लिंक के बारे में कई अहम सुराग मिले हैं.एनआईए अधिकारियों को शक है कि बंगाल के युवाओं को टारगेट करके एक कट्टरपंथी नेटवर्क बनाने की एक संगठित प्रयास चल रहा था. इसके बारे में विस्तार से पता लगाने के लिए उनसे कड़ी पूछताछ जारी है.पश्चिम बंगाल पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने कथित जासूसी नेटवर्क की जांच के सिलसिले में सोमवार को हावड़ा से आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के संदिग्ध गुर्गे हमीम मंडल के एक अन्य सहयोगी को गिरफ्तार किया है. एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के संस्थापक जयराम महतो झारखंड के धनबाद जिले में झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) और झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ एक विरोध प्रदर्शन के दौरान बोलते हुए।

हंगामे और विरोध के बीच लोकसभा से पारित हुआ विनियोग विधेयक

नई दिल्ली, (आरएनएस)। संसद के मानसून सत्र के दौरान लगातार जारी हंगामे और विपक्ष के विरोध के बीच लोकसभा ने मंगलवार को विनियोग (संख्या-3) विधेयक, 2026 को ध्वनिमत से पारित कर दिया। यह विधेयक 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के दौरान हुए अतिरिक्त सरकारी खर्च को भारत की संचित निधि (कंसोलिडेटेड फंड ऑफ इंडिया) से अधिकृत करने से संबंधित है। सदन में विपक्षी सदस्यों के शोर-शराबे और नारेबाजी के बीच वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कराधान एवं अन्य कानून (संशोधन) विधेयक भी विचार के लिए पेश किया। इस विधेयक के तहत पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007, आयकर अधिनियम, 2025 और वित्त अधिनियम, 2026 में संशोधन का प्रस्ताव किया गया है।

फुकेट-दिल्ली एयर इंडिया फ्लाइट में टर्बुलेंस, कुछ यात्री और क्रू मेंबर मामूली घायल; टला बड़ा हादसा

नईदिल्ली, (आरएनएस)। हवा में उड़ते विमान में सफर के दौरान झटके लगना किसी भी यात्री के लिए बेहद डरावना अनुभव हो सकता है. कुछ ऐसा ही खौफनाक मंजर 4 अगस्त को एयर इंडिया की एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान में देखने को मिला. फुकेट से भारत की राजधानी दिल्ली आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई 2379 अचानक रास्ते में हवा के तेज दबाव यानी टर्बुलेंस की चपेट में आ गई. इस घटना के दौरान विमान में सवार यात्रियों की सांसें अटक गईं और कुछ देर के लिए अफरातफरी का माहौल बन गया.

एयरलाइन ने आधिकारिक तौर पर इस घटना की पुष्टि की है और राहत की बात यह है कि विमान दिल्ली में सुरक्षित लैंड करने में सफल रहा.बताया जा रहा है कि जब विमान अपनी सामान्य ऊंचाई पर क्रूज कर रहा था, तभी अचानक उसे हवा के तेज थपेड़ों और टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा. टर्बुलेंस इतना जोरदार था कि विमान की ऊंचाई में कुछ समय के लिए अचानक मामूली बदलाव आ गया. हवा में आई इस अनहोनी की वजह से सीट पर बैठे यात्रियों और काम कर रहे क्रू मेंबर्स को तेज झटका लगा. विमान में झटका लगते ही कुछ लोग अपनी सीटों से हिल गए और सामान भी इधर-उधर गिर गया. हालांकि कॉकपिट में मौजूद अनुभवी पायलटों ने तुरंत स्थिति को संभाला और विमान को सुरक्षित स्थिति में बनाए रखा।

5 हजार से अधिक किसानों के हित में बड़ा निर्णय, कवच योजना को मंजूरी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक में लिये गए निर्णय

भोपाल(ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसान कल्याण को सर्वाधिक महत्व देते हुए सहकारिता विभाग की कवच योजना को मंजूरी दी, जिससे सहकारिता विभाग के लगभग 5 हजार किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा।

कवच योजना का अनुमोदन : 5 हजार से अधिक किसानों के हित में बड़ा निर्णय

मंत्रि-परिषद ने सहकारिता विभाग की कवच योजना को अनुमोदित किया। यह योजना सहकारी समितियों के ऐसे लगभग 5 हजार किसानों के लिए है, जिनके ऋण खाते में गड़बड़ियां हुई हैं और जांच में देरी की वजह से किसान सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। अब ऐसे किसानो को मुख्य धारा में लाकर योजना के तहत नया ऋण मिल सकेगा। निर्णय के अनुसार प्रभावित किसानों को राहत देने के लिए अपैक्स बैंक और जिला सहकारी बैंकों द्वारा अपने स्तर से 50 करोड़ रूपये की सीमा तक की नीधि का निर्माण किया जायेगा। राज्य सरकार भी किसान हित में 25 करोड़ रूपये की अंशपूजी की सहायता एक बार उपलब्ध करायेगी। मंत्रि-परिषद की बैठक में मध्यप्रदेश के सर्वांगीण विकास और जन-कल्याण को गति देने के लिए कुल 32,070 करोड़ रुपये की योजनाओं और प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। राज्य सरकार के यें महत्वपूर्ण निर्णय मुख्य रूप से सहकारिता से जुड़े लगभग 5 हजार किसानों, प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, खेल अधोसंरचना के विस्तार, डिजिटल गवर्नेंस के सशक्तिकरण और शैक्षणिक संवर्ग के हित संवर्धन पर केंद्रित है। मंत्रि-परिषद की बैठक में आगामी वित्तीय वर्षों 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए जिला एवं सिविल अस्पतालों व औषधालयों के सुचारू संचालन के लिए 12 हजार 517.99 करोड़ रुपये, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल की पहुँच बढ़ाने के लिए 11 हजार 812.02 करोड़ रुपये, प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (पीएमअभीम) के तहत स्वास्थ्य आपदाओं से निपटने व लैब नेटवर्क निर्माण के लिए 2,449 करोड़ रुपये तथा मलेरिया एवं वेक्टर जनित रोगों के प्रभावी नियंत्रण के लिए 1,705 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई।

बैठक में प्रदेश के युवाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधाएँ और स्टेडियम उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खेल अधोसंरचना निर्माण के लिए 2,460 करोड़ 57 लाख रुपये की योजना को स्वीकृति दी गई। ई-गवर्नेंस को मजबूती देने के क्रम में स्टेट डाटा सेन्टर (SDC) के उन्नयन, परिचालन एवं संधारण के लिए 1 हजार 99 करोड़ 58 लाख रुपये मंजूर किए गए। जनजातीय कार्य विभाग के सहायक, उच्च श्रेणी, प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों के हित में निर्णय लेते हुए 35 वर्ष की सेवा पूर्ण करने पर 1 जुलाई 2023 से चतुर्थ क्रमोन्नत वेतनमान देने का अनुमोदन भी किया

असम में सीआरपीएफ अधिकारी ने 2 साथियों को गोली से उड़ाया, फिर खुद को भी मारी गोली

नगांव (असम) (आरएनएस)। असम के नगांव जिले में मंगलवार सुबह केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के एक शिविर में हुई गोलीबारी की घटना ने सभी को स्तब्ध कर दिया। सीआरपीएफ के एक सहायक उपनिरीक्षक ने कथित तौर पर अपने साथियों पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी, जिसमें दो जवानों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी जवान ने स्वयं को भी गोली मार ली, जिससे उसकी भी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। एक अन्य जवान घायल हो गया, जिसका अस्पताल में उपचार जारी है।पुलिस के अनुसार यह घटना मंगलवार सुबह करीब सात बजे नगांव जिले के कटिमारी स्थित सीआरपीएफ की 34वीं बटालियन के शिविर में हुई। उस समय मुख्य द्वार पर ड्यूटी पर तैनात सहायक उपनिरीक्षक (सामान्य ड्यूटी) बल्लानी प्रेमबरम ने अचानक अपने साथियों पर गोली चला दी।

अरविंद केजरीवाल ने ई20 के खिलाफ प्रधानमंत्री आवास तक मार्च किया, रोके गए तो धरना दिया

नईदिल्ली (आरएनएस)। इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के खिलाफ दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सड़क पर उतर गए हैं। उन्होंने मंगलवार को आम आदमी पार्टी के नेताओं के साथ प्रधानमंत्री आवास तक मार्च किया। केजरीवाल पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सांसद संजय सिंह समेत अन्य नेताओं के साथ 7 लोक कल्याण मार्ग कूच कर रहे थे, तभी पुलिस ने उन्हें रोक लिया, जिसके बाद वे फिरोज शाह रोड पर धरने पर बैठ गए। इस दौरान भारी पुलिस बल तैनात की गई थी।

केजरीवाल अपने पार्टी के नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ई20 के खिलाफ 23 लाख से अधिक लोगों की हस्ताक्षरित याचिकाएं सौंपने जा रहे थे।

इस दौरान उन्होंने मीडिया से कहा, हम आतंकवादी नहीं हैं, हम ई20 पेट्रोल मुद्दे पर प्रधानमंत्री मोदी से मिलना चाहते हैं। मैं कहना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में नहीं आना चाहिए। उन्हें अमेरिका से इथेनॉल खरीदना बंद करना चाहिए और देश पर ई20 थोपना बंद करना चाहिए।

केजरीवाल ने देशभर में ई20 को लेकर दिख रहे गुस्से को आगे बढ़ाते हुए इसके खिलाफ अभियान शुरू किया है।

पिछले दिनों उन्होंने दिल्ली के कांस्टीट्यूशन क्लब में इथेनॉल टाउन हॉल का आयोजन किया था, जिसमें देशभर से लोग जुड़े थे।इस दौरान ई20 के खिलाफ उनके हस्ताक्षर अभियान में 23 लाख से अधिक लोगों ने भाग लिया था।केजरीवाल ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर उनसे मिलने की अनुमति भी मांगी थी।

लोग बीजेपी से ऊब चुके हैं, यह तो बस शुरुआत है, उपचुनाव नतीजों पर बोलीं प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। बिहार की बांकीपुर और मध्य प्रदेश की दतिया विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में बीजेपी को हार का सामना पड़ा. चुनाव नतीजों पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि इससे पता चलता है कि लोग बीजेपी से ऊब चुके हैं।

उपचुनाव के नतीजों के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा, यह स्पष्ट है कि लोग बीजेपी से थक चुके हैं और तंग आ चुके हैं. वे अब समझ रहे हैं कि देश में क्या हो रहा है. उन्होंने आगे कहा, यह तो बस शुरुआत है।

बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने जीत दर्ज की. यह सीट बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद खाली की हुई थी. इस सीट पर बीजेपी का लंबे समय से कब्जा था. लेकिन उपचुनाव में प्रशांत किशोर ने बीजेपी उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को 19,324 मतों से हराया।

इसी तरह, बीजेपी को दतिया विधानसभा उपचुनाव में भी हार का सामना करना पड़ा. यहां कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने 6016 वोटों से भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को हराया. कांग्रेस के प्रत्याशी घनश्याम सिंह को 66,757 वोट मिले. बीजेपी प्रत्याशी आशुतोष तिवारी को 60741 वोट मिले ।

आसाराम को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं, कई बीमारियों की लिस्ट आई सामने, एम्स ने सुप्रीम कोर्ट को दी रिपोर्ट

नईदिल्ली, (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को दुष्कर्म मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे स्वयंभू संत आसाराम की याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान एम्स ने कोर्ट में मेडिकल रिपोर्ट दाखिल की। एम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आसाराम को फिलहाल अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं है। हालांकि, उनकी सेहत को देखते हुए 24 घंटे प्रशिक्षित देखभाल करने वालों (केयरगिवर्स) की मदद जरूरी है। इस रिपोर्ट में ये बताया गया है कि आसाराम कई तरह की बीमारियों से पीड़ित है।

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की गई एम्स की रिपोर्ट में आसाराम की बीमारियों का भी जिक्र किया गया है। एम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, स्वयंभू संत आसाराम कई बीमारियों से पीड़ित है।

नीट-यूजी की ओएमआर शीट में हेरफेर का आरोप! 6 छात्रों ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को नीट-यूजी (नीट-यूजी) के छह उम्मीदवारों ने एक याचिका दायर की है. याचिका में आरोप लगाया गया है कि परीक्षा के दौरान उनकी ओएमआर शीट में दर्ज जवाबों और राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा जारी की गई ओएमआर शीट की प्रतियों के बीच बड़ा अंतर है.इस याचिका पर काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू होने से पहले जल्द सुनवाई की मांग करते हुए, इसे भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली पीठ के सामने पेश किया गया. याचिकाकर्ताओं के वकील ने न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की सदस्यता वाली इस पीठ के समक्ष अपनी संक्षिप्त दलीलें रखीं।

समय की मांग के अनुरूप युवा हो रहे हैं शिक्षित-प्रशिक्षित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

पाठ्यक्रमों को रोजगारोन्मुख, बहुविषयक तथा प्रौद्योगिकी-सक्षम बनाना कार्यशाला का उद्देश्य

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से हमारे युवा नैतिक मूल्यों से जुड़ने के साथ-साथ समय की मांग के अनुरूप शिक्षित-प्रशिक्षित हो रहे हैं। शिक्षा नीति की यह पहल युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के साथ-साथ देश और राज्य को मजबूत बनाने में सहायक होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू करने के बाद उसके विभिन्न आयामों को आगे बढ़ाने की दिशा में उच्च शिक्षा विभाग ने उत्कृष्ट कार्य किया है। इसके लिए विभाग के सभी अधिकारी कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव उभरते ज्ञान क्षेत्र, उन्नत पाठ्यक्रम: दृष्टि, दिशा एवं क्रियान्वयन विषय पर प्रशासन अकादमी में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के शुभारंभ सत्र को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल तथा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन की दिशा में उच्च शिक्षा के पाठ्यक्रमों को वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक, रोजगारोन्मुख, बहुविषयक तथा प्रौद्योगिकी-सक्षम बनाना कार्यशाला का उद्देश्य है। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार, उच्च शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुपम राजन सहित देश के प्रतिष्ठित शिक्षाविद, वैज्ञानिक, उद्योग विशेषज्ञ एवं विश्वविद्यालयों के कुलगुरु भी सहभागी हैं। भारतीय ज्ञान

परंपरा को पाठ्यक्रमों में शामिल किया जा रहा है उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि देश में सबसे पहले राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 मध्य प्रदेश में लागू की गई। राज्य सरकार ने भारतीय ज्ञान परंपरा को पाठ्यक्रमों में शामिल करने का निर्णय लिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की भावना के अनुरूप हमारा प्रयास है कि पाठ्यक्रम, ज्ञान के साथ कौशल विकास भी शामिल हो। राज्य सरकार का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना है। पढ़ाई पूरी होने के बाद विद्यार्थियों के प्लेसमेंट पर भी जोर दिया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरुप पाठ्यक्रम तैयार करने में यह कार्यशाला अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगी। महाविद्यालयों में आधुनिक जरूरत और उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप, शिक्षा व्यवस्था करने के लिए यहां मंथन होगा। इस कार्यशाला के निष्कर्ष बेहतर पाठ्यक्रम तैयार करने में सहायक सिद्ध होंगे। अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने कहा कि प्रदेश में कृषि संकाय के पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। इसी के साथ टेक्नोलॉजी, एआई, इंजीनियरिंग पर भी बेहतर कार्य हो रहा है। शिक्षा विभाग में तकनीक का समावेश तेजी से बढ़ा है। पिछले दो वर्ष में हजारों की संख्या में सहायक प्राध्यापकों की भर्ती की गई है। कैपेसिटी बिल्डिंग और फैकल्टी डेवलपमेंट के लिए कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि राज्य सरकार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति और भारतीय ज्ञान परंपरा को अपनाने में अग्रणी है। राज्य में भारतीय ज्ञान परंपरा के लिए एक शीर्ष समिति गठित की गई है, पिछले ढाई साल से इस पर काम चल रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है, जो विचार, बौद्धिकता और कार्य व्यवहार से भारतीय हों। इच्छाशक्ति के अभाव में पिछली दो शिक्षा नीतियों का पूर्णतः क्रियान्वयन नहीं हो सका। वर्तमान में समस्याएं बढ़ती जा रही हैं, क्योंकि हम भारतीयता से दूर जा रहे हैं। आज मानसिक तनाव दुनिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती है, जिसका समाधान सिर्फ योग में हैं। हमें प्राचीन ज्ञान और आधुनिक तकनीक दोनों के साथ आगे बढ़ना है। ज्ञान, चरित्र और कौशल से ही हमारी शिक्षा पूर्ण होती है।

भोपाल में बेरिकेडिंग पर गुस्सा

व्यापारियों ने रैली निकाली:मोती मस्जिद के सामने लगे बैरिकेड्स हटाने की मांग; 7 अगस्त को बड़ा प्रदर्शन करेंगे

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल के मोती मस्जिद के ठीक सामने महीनों से बेरिकेड्स लगे हैं। इससे लोगों को लंबा घूमकर बाजारों में जाना पडता है। इन्हीं बेरिकेड्स की वजह से 1 अगस्त को आग बुझाने के लिए दमकल को रास्ता नहीं मिला। इस वजह से मंगलवार को व्यापारियों का गुस्सा फूट पडा। उन्होंने रैली निकाली और बेरिकेड्स हटाने की मांग की। कहा कि 7 अगस्त तक नहीं हटे तो बडा प्रदर्शन करेंगे। बता दें कि मोती मस्जिद के सामने इकबाल मैदान चौराहे पर बेरिकेडिंग है। इससे भोज सेतु की तरफ से आने वाले वाहनों को सदर मंजिल, चिरायु हॉस्पिटल होते हुए लखेरापुरा, चौक बाजार, सराफा, जुमेराती, बुधवारा, इब्राहिमगंज समेत अन्य बाजारों की ओर जाना पडता है। इससे उनकी परेशानी बड जाती है, जबकि पहले वे सीधे बाजारों में चले जाते थे।इन्हीं बेरिकेडिंग की वजह से 1 अगस्त को दमकल समय पर चौक बाजार नहीं पहुंच पाई थी। जिससे यहां स्थित 100 साल पुरानी कपडा दुकान में लगी आग को बुझाने में समय लग गया था। इसी दिन से व्यापारियों की पुलिस के प्रति नाराजगी देखने को मिल रही थी।

पहले बैठक की, फिर रैली निकाली

मंगलवार को लखेरापुरा स्थित मोती मन्नू धर्मशाला में व्यापारियों की बैठक हुई। जिसमें निर्णय लिया कि मोती मस्जिद के सामने वाला बेरिकेड्स हटने चाहिए। इससे बाजार की सुरक्षा व्यवस्था एवं आमजन को आने-जाने में परेशानी नहीं होगी।इसे लेकर 7 अगस्त को बाजार बंद रखने और बडा प्रदर्शन करने की बात भी व्यापारियों ने कहीं। व्यापारी संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन ने बताया कि प्रदर्शन तब तक जारी रहेगा, जब तक कि पुलिस बेरिकेड्स नहीं हटा दें। इसलिए बुधवार को ही रैली भी निकाली गई। इस दौरान भोपाल व्यवसायी महासंघ, श्री सराफा एसोसिएशन, फेडरशन ऑफ राजधानी वस्त्र व्यवसायी संघ, ओल्ड भोपाल होलसेल रेडीमेड संघ, आजाद मार्केट व्यावसायी संघ, नदीम रोड व्यापारी संघ, इब्राहिमपुरा व्यापारी संघ के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

मध्य प्रदेश पुलिस का हरित अभियानः लाल परेड ग्राउंड में 300 पौधे रोपे, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

भोपाल,(आरएनएस)। पर्यावरण संरक्षण और हरित परिसर के विकास के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस की 7वीं वाहिनी, विशेष सशस्त्र बल (विसबल), भोपाल

द्वारा मंगलवार को लाल परेड ग्राउंड में वृहद पौधारोपण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व 7वीं वाहिनी के सेनानी हितेश चौधरी ने किया। पौधारोपण अभियान में आगामी 15 अगस्त को आयोजित होने वाली स्वतंत्रता दिवस परेड से जुड़े परेड कमांडर एसडीओपी आदित्य सिंघारिया, एसडीओपी जैडेन लिंगजेरपा, परेड सेकंड-इन-कमांड (2IC) डीएसपी हेमंत कुमार, डीएसपी प्रतिमा जैन, प्लाटून कमांडरों के साथ 7वीं वाहिनी के उपसेनानी डेनियल जोजफ, एडज्यूटेंट तरुण पटले तथा अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।

भोपाल में रेसीडेंसियल यानी, आवासीय भवनों के कमर्शियल उपयोग पर सुनवाई आज

भोपाल (आरएनएस)। शहर के कई इलाकों में आवासीय प्रॉपर्टी पर सालों से कमर्शियल गतिविधियां की जा रही हैं। इसे लेकर अरेरा कॉलोनी सहित अनेक आवासीय क्षेत्र के रहवासी आवासीय भूखंडों पर हो रहे व्यावसायिक निर्माण एवं व्यवसायों के विरुद्ध शिकायत कर रहे थे। रहवासी पूर्णेंदु शुक्ला एवं अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका भी दायर की है। इधर, सुप्रीम कोर्ट ने भी इस मामले में सख्ती की है। ऐसे में निगम को कार्रवाई करने के लिए मैदान में उतरना पडा। दो दिन में कई प्रतिष्ठान को सील कर दिया गया। कइयों ने निगम की कार्रवाई के बाद स्वैच्छा से दुकानें बंद कर दी थी। हालांकि, रविवार शाम को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में मीटिंग हुई थी। जिसमें फिलहाल व्यापारियों को राहत देने का फैसला किया गया था। बैठक में मंत्री विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा और भगवानदास सबनानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। साथ ही मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई , आयुक्त नगरीय प्रशासन संकेत भोंडवे, आयुक्त नगर तथा ग्राम निवेश कौशलेंद्र विक्रम सिंह, भोपाल कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, निगम कमिश्नर संस्कृति जैन भी उपस्थित थे।मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पूरे मामले की समीक्षा के लिए राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारियों की उच्च स्तरीय समिति गठित की जाए। यह समिति सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का अध्ययन कर पूरे प्रकरण

की जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट शासन को सौंपेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि समिति की रिपोर्ट आने तक व्यापारियों को घबराने की आवश्यकता नहीं है। इसके बाद सोमवार को अधिकांश दुकानें फिर से खुल गईं।

निगम ने अपेक्षित कार्रवाई नहीं की, प्रतिष्ठान पुन: खुलना भी गलत

अरेरा कॉलोनी निवासी विवेक त्रिपाठी ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद नगर निगम ने जिन अवैध दुकानों को सील करने का नोटिस जारी किया था, उनके विरुद्ध अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई है।

विधायक बोले-भोपाल का मास्टर प्लान लागू हो

इस मामले में कांग्रेस विधायक आतिफ अकील ने कहा कि नगर निगम आवासीय क्षेत्रों में कमर्शियल गतिविधियों पर कार्रवाई कर रहा है। चूंकि, भोपाल में पिछले 20 साल से मास्टर प्लान लागू नहीं हुआ। इसमें व्यापारियों की क्या गलती है? सरकार जल्द ही मास्टर प्लान लागू करेंगे। इसकी हम लंबे समय से मांग कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री की मीटिंग से पहले रविवार को अरेरा कॉलोनी, रोहित नगर, बावडियाकलां समेत कई इलाकों में आवासीय परिसरों में कमर्शियल एक्टिविटी के विरोध में रहवासी सड़क पर उतरे थे। संयुक्त रहवासी संघर्ष समिति के तत्वाधान में रहवासियों ने पैदल मार्च भी निकाला था। जिसमें लोगों ने नगर निगम की कार्रवाई पर नाराजगी जताई थी। इस मामले में भोपाल चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज (बीसीसीआई) मैदान में उतरा है। संगठन ने व्यापारियों के हित में मिक्स लैंड यूज की व्यवस्था लागू करने की मांग की है। चैंबर के अध्यक्ष गोविंद गोयल और सचिव अजय देवनानी ने बताया कि भोपाल विकास योजना (मास्टर प्लान) का अंतिम प्रकाशन वर्ष 2005 में हुआ था। इसके बाद नया मास्टर प्लान आज तक लागू नहीं हुआ है।

फर्जी बैंक गारंटी प्रस्तुत करने वाले संविदाकार के विरुद्ध एफआईआर दर्ज

भोपाल (ए.)। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी (एमपीयूडीसी) द्वारा वित्तीय अनियमितता के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाते हुए फर्जी बैंक गारंटी प्रस्तुत करने वाले संविदाकार के खिलाफ थाना एमपी नगर, भोपाल में एफआईआर दर्ज कराई गई है। कम्पनी द्वारा चार निर्माण पैकेजों के निष्पादन के संबंध में साउथ गुजरात कंस्ट्रक्शन कंपनी प्राइवेट लिमिटेड एवं इंजीनियरिंग प्रोफेशनल कंपनी प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त उपक्रम (ज्वाइंट वेंचर) द्वारा बैंक गारंटी प्रस्तुत की गई थी। प्रस्तुत बैंक गारंटी की प्रामाणिकता पर संदेह व्यक्त होने पर एमपीयूडीसी द्वारा उसकी सूक्ष्मता से जांच कराई गई, जिसमें संबंधित बैंक गारंटी पूरी तरह फर्जी पाई गई। इस प्रकरण की अत्यंत गंभीरता को देखते हुए नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त एवं एमपीयूडीसी के प्रबंध संचालक संकेत भोंडवे ने अधिकारियों को संविदाकार के विरुद्ध विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई करते हुए तत्काल एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए। निर्देशों के परिपालन में थाना एमपी नगर, भोपाल में औपचारिक प्रकरण दर्ज कराया गया है।

ट्रेन में झाड़ू लगाने वाला निकला शातिर चोरः महिला यात्री का 3 लाख का मंगलसूत्र चुराया, यात्रियों की लापरवाही का उठाता था फायदा

भोपाल (ए)। ट्रेनों में झाड़ू लगाकर आजीविका चलाने वाला एक युवक यात्रियों की नजर बचाकर चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। जीआरपी भोपाल ने ऐसे ही एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब दो तोला वजनी और लगभग तीन लाख रुपए कीमत का सोने का मंगलसूत्र बरामद किया है। आरोपी महिला यात्री का पर्स चोरी कर उसमें रखा मंगलसूत्र निकाल लेता था और खाली पर्स ट्रेन के शौचालय में फेंक देता था।

जीआरपी के अनुसार 20 जुलाई 2026 को रायपुर निवासी चित्ररेखा अपने पति के साथ 18238 छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस के ए-1 कोच में रायपुर से निजामुद्दीन जा रही थीं। भोपाल स्टेशन पहुंचने से पहले सीट पर रखा उनका लेडीज पर्स चोरी हो गया। बाद में पर्स ट्रेन के बाथरूम में मिल गया, लेकिन उसमें रखा सोने का मंगलसूत्र गायब था। पीडिता ने निजामुद्दीन स्टेशन पहुंचकर इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। मामले की जांच जीआरपी भोपाल को सौंपी गई। पुलिस ने ट्रेन और स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, जिसमें एक संदिग्ध युवक भोपाल स्टेशन पर उतरता दिखाई दिया। तलाश के बाद पुलिस ने संतोष (22) निवासी मुस्कान कॉलोनी अयोध्या बायपास भोपाल को सोमवार देर रात हिरासत में लेकर पूछताछ की। आरोपी ने चोरी की वारदात स्वीकार कर ली। उसकी निशानदेही पर चोरी गया दो तोला सोने का मंगलसूत्र बरामद कर लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह ट्रेनों में झाड़ू लगाकर गुजर-बसर करता है। इसी दौरान वह यात्रियों की गतिविधियों पर नजर रखता था। जो यात्री अपना सामान लावारिस छोड़ देते या लापरवाही बरतते, उन्हें निशाना बनाकर उनके पर्स और कीमती सामान चोरी कर लेता था। आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने लालच में आकर इस वारदात को अंजाम दिया।

दतिया उपचुनाव के जनादेश को प्रदेश की जनभावना बताया, जीतू पटवारी ने सरकार से श्वेत-पत्र जारी करने की मांग की

भोपाल,(ए)। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर दतिया विधानसभा उपचुनाव के जनादेश को प्रदेश की जनभावना का संकेत बताते हुए राज्य के विभिन्न जनहित के मुद्दों पर क्रमवार श्वेत-पत्र जारी करने की मांग की है। जीतू पटवारी ने कहा कि दतिया उपचुनाव का परिणाम केवल एक विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि यह जनता की उन अपेक्षाओं को भी दर्शाता है, जिनमें विकास, पारदर्शिता और जवाबदेही जैसे मुद्दे प्रमुख हैं। उनके अनुसार कांग्रेस जिन जनहित के विषयों को लगातार उठाती रही है, मतदाताओं ने जनादेश के माध्यम से उन मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि जनता अब विकास आधारित राजनीति और समस्याओं के समाधान पर अधिक जोर देती है। ऐसे में सरकार को दतिया उपचुनाव के परिणाम को केवल राजनीतिक जीत-हार के रूप में नहीं, बल्कि जनभावनाओं को समझने के अवसर के रूप में देखना चाहिए। पटवारी ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि प्रदेश की वास्तविक स्थिति जनता के सामने रखने के लिए सरकार बिजली एवं पेयजल व्यवस्था, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं, किसानों एवं कृषि क्षेत्र की चुनौतियां, युवाओं के रोजगार, कानून-व्यवस्था, महिलाओं की सुरक्षा, आदिवासी समुदाय से जुड़े मुद्दों तथा दलित एवं पिछड़ा वर्ग की स्थिति जैसे विषयों पर क्रमवार श्वेत-पत्र जारी करे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इन सभी विषयों पर अपने तथ्य, सुझाव और दृष्टिकोण सार्वजनिक रूप से रखने के लिए तैयार है। साथ ही उन्होंने सरकार से भी अपील की कि वह तथ्यों और आंकड़ों के आधार पर अपनी स्थिति स्पष्ट करे। उनके अनुसार लोकतंत्र में स्वस्थ संवाद आरोप-प्रत्यारोप के बजाय तथ्यपरक चर्चा से मजबूत होता है।

ट्रांसफर नहीं हुआ तो पति ने तलाक दिया

अलग-अलग जिलों में पोस्टिंग से रोजगार सहायक परेशान; पति कह रहे- नौकरी छोड़ दो...मजदूरी कर लेंगे

भोपाल (निप्र)। अगर तबादला नहीं होता तो नौकरी छोड़ दो... मजदूरी कर लेंगे। यह कहना है सागर जिले में पदस्थ ग्राम रोजगार सहायक मोना राजपूत के पति का। शादी जबलपुर में हुई, लेकिन सागर में नौकरी होने के कारण दोनों अलग-अलग रह रहे हैं।सैकड़ों किलोमीटर की दूरी और बढ़ते पारिवारिक विवाद रिश्ते पर भारी पड़ने लगे हैं। मोना ऐसी अकेली महिला नहीं हैं। प्रदेश में तबादला नीति नहीं होने से कई महिला ग्राम रोजगार सहायकों की मैरिड लाइफ संकट में है। कुछ का तलाक हो चुका है, जबकि कई परिवार टूटने की कगार पर हैं। मामला राज्य सरकार तक पहुंच गया है।एमपी में ग्राम रोजगार सहायकों और सहायक सचिवों के तबादले नहीं होने से परिवारों का विखंडन शुरू हो गया है। कर्मचारी कल्याण समिति का कहना है कि कई महिला ग्राम रोजगार सहायकों का वैवाहिक जीवन प्रभावित हो रहा है, क्योंकि वे विवाह के बाद भी पति के साथ नहीं रह पा रही हैं।

आजाद अध्यापक संघ ने कर्मचारी कल्याण समिति का पत्र फेसबुक पर साझा किया। इस पर फेसबुक यूजर मोना प्रशांत गौतम ने लिखा, हमारा तो तलाक होने वाला है। क्या कर सकते हैं? मुख्यमंत्री ही कुछ कर सकते हैं, जिससे मेरे जैसी कई बहनों की लाइफ बर्बाद होने से बच जाए।

महिला कर्मचारियों की पीड़ा को लेकर एसीएस को लिखा पत्र

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी कल्याण समिति के अध्यक्ष रमेशचंद्र शर्मा ने पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव को पत्र लिखकर वीबी-जी-राम-जी योजना के तहत कार्यरत ग्राम रोजगार सहायकों और सहायक सचिवों के अंतरजिला स्थानांतरण व स्थान परिवर्तन की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है।पत्र में लिखा गया है कि ग्राम रोजगार सहायक और सहायक सचिव संगठन ने 31 जुलाई 2026 को आवेदन देकर विशेष रूप से महिला कर्मचारियों के अन्य जिलों और ब्लॉकों में ट्रांसफर की मांग की थी। कर्मचारी कल्याण समिति ने इसे मानवीय और प्रशासनिक दृष्टि से उचित बताते हुए विभाग से आवश्यक कार्रवाई की अनुशंसा की है।समिति ने बताया कि 24 जून 2025 को मध्य प्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद के जारी दिशा-निर्देशों में तीन साल से अधिक सेवा देने वाले ग्राम रोजगार सहायकों का उसी जिले की दूसरी ग्राम पंचायत में स्थान परिवर्तन का प्रावधान है।

ऐसे मामलों में पुरानी ग्राम पंचायत से कॉन्ट्रैक्ट खत्म कर नई ग्राम पंचायत में नया अनुबंध किया जा सकता है।

मानवीय आधार पर महिलाओं की मदद करें

पत्र में यह भी लिखा है कि मुख्यमंत्री ने 28 जून 2023 को घोषणा की थी कि ग्राम रोजगार सहायकों के तबादले और नियुक्ति की प्रक्रिया पंचायत सचिवों के समान की जाएगी। समिति का कहना है कि इसी घोषणा के अनुरूप अंतरजिला स्थानांतरण की व्यवस्था लागू की जानी चाहिए।

समिति के अनुसार, कई महिला ग्राम रोजगार सहायकों का विवाह दूसरे जिलों में हुआ है, लेकिन तबादला नहीं होने से उन्हें पारिवारिक और सामाजिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कुछ मामलों में वैवाहिक जीवन भी टूट गया है, इसलिए मानवीय आधार पर पति या ससुराल वाले जिले में स्थानांतरण की सुविधा दी जानी चाहिए।

"नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0" अभियान की एक और उपलब्धि

जीआरपी इंदौर अंतर्गत 16 रेलवे स्टेशनों पर एक साथ 4,013 नागरिकों ने बनाई मानव श्रृंखला

भोपाल,(आरएनएस)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान "नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0" ने सामाजिक जागरूकता के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की है। अभियान के अंतर्गत शासकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी), रेल इकाई इंदौर द्वारा 16 रेलवे स्टेशनों पर एक साथ 4,013 नागरिकों की मानव श्रृंखला बनाकर नशामुक्ति का संदेश देने की ऐतिहासिक उपलब्धि को World Book of Records, London (United Kingdom) ने सम्मानित किया है। यह सम्मान मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा जनसहभागिता के माध्यम से नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु किए जा रहे नवाचारों एवं प्रभावी सामाजिक जागरूकता अभियानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिली महत्वपूर्ण पहचान का प्रतीक है। 21 जुलाई 2026 को रेल इकाई इंदौर के अंतर्गत आने वाले 16 रेलवे स्टेशनों—इंदौर, उज्जैन, रतलाम, नागदा, नीमच, मेघनगर, शामगढ़, ब्यावरा, गुना, शिवपुरी, अशोकनगर, शाजापुर, मक्सी, देवास, डॉ. अम्बेडकर नगर एवं चंद्रावतीगंज में एक साथ 4,013 नागरिकों ने मानव श्रृंखला बनाकर नशामुक्त भारत के निर्माण का संकल्प लिया।

लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए निर्णयों की मीडिया को जानकारी दी

नरसिंहपुर में मूंग खरीदी को लेकर किसानों का प्रदर्शन, तीन प्रमुख सड़कों पर चक्का जाम

नरसिंहपुर (ए.)। समर्थन मूल्य पर मूंग खरीदी में कथित अव्यवस्थाओं के विरोध में मंगलवार शाम नरसिंहपुर जिले के किसानों ने तीन अलग-अलग स्थानों पर चक्का जाम कर प्रदर्शन किया। इससे नेशनल हाईवे सहित कई प्रमुख मार्गों पर यातायात बाधित हो गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।सबसे बड़ा प्रदर्शन सुआतला के पास नेशनल हाईवे-44 पर हुआ, जहां किसानों ने सड़क पर बैठकर विरोध जताया। प्रदर्शन कर रहे किसानों का आरोप है कि वे पिछले 10 दिनों से बिलेहरा वेयरहाउस के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उपज गुणवत्ता के अनुरूप होने के बावजूद नमी का हवाला देकर मूंग की तुलाई नहीं की जा रही है।किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि वेयरहाउस में रात के समय उनकी उपज चोरी हो रही है। उनका कहना है कि इस संबंध में एसडीएम से शिकायत और आश्वासन मिलने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। किसानों ने चेतावनी दी कि जब तक मूंग खरीदी शुरू नहीं होती और खरीदी केंद्र को तेंदूखेड़ा मंडी स्थानांतरित नहीं किया जाता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। इसी तरह सालीचौका क्षेत्र के पोडार तिराहे पर किसानों ने गाडरवारा-पिपरिया मार्ग जाम कर दिया। यहां किसानों ने मूंग की तुलाई करेली मंडी भेजे जाने का विरोध किया। उनका कहना है कि सालीचौका वेयरहाउस में जगह की कमी का हवाला देकर उन्हें करीब 70 किलोमीटर दूर करेली मंडी भेजा जा रहा है, जिससे परिवहन लागत और समय दोनों बढ़ रहे हैं। किसानों ने मांग की कि तुलाई की व्यवस्था सालीचौका मंडी में ही की जाए। गाडरवारा-उदयपुरा मार्ग पर झिकौली के पास भी किसानों ने मूंग खरीदी की समस्याओं को लेकर सड़क जाम कर दिया। जिले के तीन प्रमुख मार्गों पर एक साथ हुए चक्का जाम से यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ और यात्रियों को लंबे समय तक परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी तीनों स्थानों पर पहुंचे तथा किसानों से बातचीत कर स्थिति सामान्य बनाने का प्रयास किया। हालांकि, समाचार लिखे जाने तक प्रदर्शन जारी था और किसानों ने मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है।

सेवानिवृत्त आई जी को कैट से अंतरिम राहत, वसूली पर रोक

जबलपुर, (ए.)। केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) की जबलपुर पीठ ने मध्य प्रदेश पुलिस के सेवानिवृत्त आईजी डॉ. महेंद्र सिंह सिकरवार को बड़ी राहत प्रदान करते हुए उनके विरुद्ध की जा रही 11.61 लाख रुपये की वसूली पर अंतरिम रोक लगा दी है। अधिकरण ने भारत सरकार, मध्य प्रदेश शासन तथा रीवा के पुलिस अधीक्षक सहित संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद होगी। डॉ. महेंद्र सिंह सिकरवार वर्ष 2024 में रीवा रेंज के आईजी पद से सेवानिवृत्त हुए थे। अप्रैल 2026 में रीवा के पुलिस अधीक्षक द्वारा उनके विरुद्ध 11,61,885 रुपये की वसूली का आदेश जारी किया गया था। आदेश में कहा गया था कि निर्धारित अवधि में राशि जमा नहीं करने पर इसकी वसूली उनकी पेंशन से की जाएगी।

सीईओ जिला पंचायत द्वारा 146 विभिन्न आवेदनों पर जनसुनवाई की गई

उज्जैन (आरएनएस)। मंगलवार को कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के मार्गदर्शन में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांस कूमट द्वारा प्रशासनिक संकुल भवन के सभाकक्ष में 146 विभिन्न आवेदनों पर जनसुनवाई की गई। माकड़ौन निवासी मानीबाई पति नारायण जी ने पैतृक जमीन के संबंध में फौती नामांतरण किए जाने के लिए आवेदन दिया, जिस पर तहसीलदार माकड़ौन को आवेदन का निराकरण करने एवं उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उज्जैन निवासी सुदीप व्यास ने हरसिद्धि विहार कॉलोनी के समीप देवास रोड पर स्थित डिवाइडर पर आवागमन के लिए कट मार्ग बनाए जाने का आवेदन दिया, जिस पर ईई, पीडब्ल्यूडी को नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। उज्जैन निवासी रमजान खान द्वारा उनकी पत्नी (जो कि शिक्षा विभाग में कार्यरत थीं) के निधन के उपरांत ग्रेच्युटी राशि के भुगतान के संबंध में आवेदन दिया गया। इस पर जिला शिक्षा अधिकारी को उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।तराना निवासी सौरमबाई ने उनके स्वामित्व की कृषि भूमि का सीमांकन किए जाने के संबंध में आवेदन दिया, जिस पर जनसुनवाई करते हुए एसडीएम तराना को उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

बोरी में मिला युवक का शव, ग्रामीणों का हंगामा, पथराव-तोड़फोड़ के बीच हिरासत से भागा संदेही फिर पकड़ा गया

सतना (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के सतना जिले के जसो थाना क्षेत्र के अमकुई गांव में तीन दिन से लापता युवक का शव मंगलवार सुबह स्कूल के पीछे झाड़ियों में बोरी में लिपटा मिला। शव मिलने की सूचना के बाद परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने पुलिस पर पथराव किया, कई वाहनों में तोड़फोड़ की और मौके पर जमकर विरोध प्रदर्शन किया।हंगामे के दौरान पुलिस हिरासत में लिया गया एक संदेही युवक पुलिस वाहन से फरार हो गया। हालांकि पुलिस ने तत्काल पीछा कर उसे कुछ दूरी पर खेत की मेड़ से दोबारा पकड़ लिया। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई, जिसके चलते अतिरिक्त पुलिस बल और वज्र वाहन तैनात किए गए। करीब साढ़े चार घंटे तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद परिजन पोस्टमॉर्टम कराने के लिए राजी हुए। इसके बाद पुलिस ने शव को नागौद सिविल अस्पताल भेजकर आगे की कार्रवाई शुरू की।मृतक की पहचान अमकुई निवासी 20 वर्षीय अतुल कुशवाहा के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, अतुल 1 अगस्त की रात करीब 9.25 बजे घर से निकला था, जिसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया और वह वापस नहीं लौटा। परिजनों का आरोप है कि उन्होंने उसी दिन जसो थाने में गुमशुदगी दर्ज कराने की कोशिश की थी, लेकिन पुलिस ने समय पर रिपोर्ट दर्ज नहीं की।

कचरे के ढेर से "वंडरलैंड" तक : ग्वालियर सफारी की अनूठी कहानी

किला तलहटी में दहाड़ती मुद्रा में खड़े हैं वनराज तो शरारती मुद्रा में अन्य वन्य जीव

ग्वालियर (आरएनएस)। ऐतिहासिक ग्वालियर दुर्ग की तलहटी में दहाड़ती मुद्रा में खड़े वनराज शेर तो बड़े-बड़े दांतों के साथ जबड़ा खोले डायनासोर व लपकता सा मगरमच्छ । धीर गंभीर कछुआ तो शरारती मुद्रा में भालू व चिंपांजी। चलने को तैयार रेगिस्तान के जहाज यानि ऊँट व मदमस्त विशालकाय गजराज। शांत मुद्रा में पैंगुइन परिवार की मस्ती तो सतरंगी पंख फैलाकर मनभावन नृत्य करता राष्ट्रीय पक्षी मोर। यह किसी हॉलीवुड या बॉलीवुड फिल्म का दृश्य नहीं, ग्वालियर नगर निगम का अभिनव नवाचार "ग्वालियर सफारी - वेस्ट टू वंडर" है। जिसने कबाड़ को कल्पना, कला और पर्यावरण संरक्षण के अद्भुत संगम में बदल दिया है। इस अनूठी आर्टिफिशियल स्क्रैप जंगल सफारी में दुर्लभ और विलुप्त हो चुके जीव-जंतु कबाड़ से जीवंत होकर खड़े हैं और हर आने वाले को हैरान कर देते हैं। ग्वालियर किले की तलहटी में सफारी के रूप में हुए प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप किए गए इस सफल नवाचार की सफलता की गवाही, पहले-बाद की तस्वीरें खुद देती हैं। जहां कभी मलबे के ढेर, अस्त-व्यस्त झौंपड़ियां और उजाड़ जमीन नजर आती थी, वहां अब हरे-भरे घुमावदार रास्ते, शाम ढलते ही रोशनी से जगमगाती फिजा और सैलानियों की रौनक दिखाई देती है। आज यह जगह ग्वालियर की शान बन चुकी है।

नाम है "ग्वालियर सफारी - वेस्ट टू वंडर"।

किले के साये में कबाड़ से कला तक का सफर

नगर निगम के कबाड़ खाने में वर्षों से बेकार पड़े लगभग 150 टन से अधिक स्क्रैब लोहे को नया जीवन देकर किला तलहटी में 2.5 एकड़ में यह सफारी तैयार की गई है। कलाकारों ने कबाड़ से ऐसे विशालकाय वन्य जीवों के शिल्प गढ़े हैं, जिन्हें देखकर पहली नजर में विश्वास ही नहीं होता है कि ये लोहे के बेकार टुकड़ों से बने हैं। इस सफारी में सबसे बड़ी खासियत है वन्य जीवों की 14 विशाल स्कल्पचर (मूर्तियां) । हर मूर्ति इतनी बारीकी से गढ़ी गई है कि दूर से देखने पर असली जानवर होने का भ्रम होता है। सर्कुलर इकॉनमी की इस जीती-जागती मिसाल ने कचरे को चमत्कार में बदल दिया है।

जहां पत्थर भी हरे हो गए

सिर्फ मूर्तियां ही नहीं, इस जमीन की मिट्टी भी बदल गई है। सफारी परिसर में 600 से अधिक स्थानीय प्रजाति के पेड़ रोपे गए हैं। साथ ही जंगल जैसा आभास कराने के लिये करीब 3,000 झाड़ियां-पौधे भी लगाए गए हैं। सफारी की दीवारों पर लहराती बोगनवेलिया ने इस जगह में अलग ही रंग भर दिए हैं तो लैंडस्केप आर्किटेक्ट्स की सूझबूझ ने हर मोड़ को कुछ इस तरह गढ़ा है कि यहां घूमते हुए किसी असली सफारी में होने का एहसास होता है। हरियाली और स्क्रैप कला का यह संगम आगुंतकों को प्रकृति के और करीब ले जाता है।

आकर्षण भी, आने वाली पीढ़ी की जागरूकता भी और आमदनी भी

सफारी में स्थापित शेर, हाथी, गेंडा, जिराफ, डायनासोर एवं अन्य दुर्लभ वन्य जीवों के विशाल स्कल्पचर इतनी बारीकी और वास्तविकता के साथ बनाए गए हैं कि हर आगुंतक छिटककर उन्हें अपने कैमरे में कैद करना चाहता है। यह स्थान अब केवल घूमने की जगह भर नहीं बल्कि पर्यावरण संरक्षण और री-साइकलिंग का जीवंत संदेश देने वाला "ईको-कल्चर डेस्टीनेशन" बन चुका है। अब तक इस सफारी ने सिर्फ प्रवेश टिकटों के जरिए नगर निगम के खजाने में करीब 10 लाख रुपये जमा किए हैं। यानि एक उपेक्षित जमीन अब कमाई का जरिया भी बन चुकी है।

कृषि विभाग द्वारा प्रोत्साहित करने पर किसान ने लगाई तिल

जबलपुर (आरएनएस)। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग द्वारा किसानों की आय बढ़ाने और मौसम की अनिश्चितताओं से बचाने के लिए चलाए जा रहे 'फसल विविधीकरण ' अभियान के सकारात्मक परिणाम नजर आने लगे हैं। विकासखंड पाटन के ग्राम पौंडी राजघाट में क्षेत्र भ्रमण के दौरान विभाग की टीम ने किसानों से तिल फसल प्रदर्शन के उत्साहजनक रुझान प्राप्त किए।क्षेत्र भ्रमण के दौरान कृषि अधिकारी डॉ. इंदिरा त्रिपाठी ने कृषक कोमल सिंह के खेत में पहुंचकर कृषि विभाग द्वारा लगवाए गए तिल फसल प्रदर्शन का बारीकी से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद अन्य किसानों को कोमल सिंह की सफलता का उदाहरण देते हुए परंपरागत खेती से हटकर वैकल्पिक और लाभदायक फसलों को अपनाने (फसल विविधीकरण) के लिए प्रोत्साहित किया।

व्यापार समाचार

सोने और चांदी में तेजी के साथ कारोबार, कीमतें एक प्रतिशत तक बढ़ीं

मुंबई (ए.)। सोने और चांदी की शुरुआत मंगलवार को तेजी के साथ हुई और दोनों कीमती धातुओं में करीब एक प्रतिशत की बढ़त देखी गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,42,915 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले 1,43,559 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला।

सुबह 9:50 पर यह 555 रुपए या 0.39 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,43,470 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। अब तक के कारोबार में सोने ने 1,43,365 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,43,915 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ।

सोने के साथ चांदी में भी तेजी देखी गई

चांदी का 4 सितंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,16,746 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,18,143 रुपए प्रति किलो पर खुला।

फिलहाल यह 2,354 रुपए या 1.09 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,19,100 रुपए प्रति किलो पर खुला। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,18,143 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,19,896 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली। कॉमेक्स पर सोना 0.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 4,113 डॉलर प्रति औंस और चांदी 1.98 प्रतिशत की बढ़त के साथ 59 डॉलर प्रति औंस पर था। इसके अलावा, वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की 'गोल्ड डिमांड ट्रेंड्स' रिपोर्ट में बताया गया कि 2026 की दूसरी तिमाही में सोने की कुल मांग सालाना आधार पर 1,269 टन पर स्थिर रही। वहीं, साल की पहली छमाही मांग सालाना आधार पर 2 प्रतिशत बढ़कर अनुमानित 2,522 टन (जिसकी कीमत 380 अरब डॉलर थी) हो गई है। साल की दूसरी तिमाही में गोल्ड ईटीएफ, बार और सिक्कों में निवेश घटकर 262 टन रह गया। इस गिरावट की मुख्य वजह दूसरी तिमाही में गोल्ड-बैक्ड ईटीएफ से 45 टन की निकासी थी, हालांकि साल की पहली छमाही में ईटीएफ की मांग 18 टन के साथ थोड़ी सकारात्मक बनी रही। बार और सिक्कों में निवेश काफी हद तक स्थिर रहा; दूसरी तिमाही में इसमें साल-दर-साल सिर्फ 3 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि पहली छमाही की मांग पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में 21 प्रतिशत ज्यादा रही, जिसकी वजह पहली तिमाही में हुई जबरदस्त मांग थी।

भारतीय शेयर बाजार मिलाजुला खुला, रियल्टी और आईटी में बिकवाली

मुंबई (ए.)। भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत मंगलवार को मिलीजुली हुई। सुबह 9.21 पर सेंसेक्स 149 अंक या 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 78,788 और निफ्टी 160 अंक या 0.65 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,618 पर था। शुरुआती कारोबार में बाजार में बिकवाली का नेतृत्व रियल्टी और आईटी शेयर कर रहे थे। सूचकांकों में निफ्टी रियल्टी और निफ्टी आईटी करीब एक प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप लूजर्स थे। निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी फार्मा, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी हेल्थकेयर, निफ्टी ऑटो, निफ्टी इन्फ्रा और निफ्टी पीएसई भी लाल निशान में थे। केवल निफ्टी मेटल और निफ्टी एनर्जी में ही हरे निशान में कारोबार हो रहा था।दूसरी तरफ मिडकैप और स्मॉलकैप में तेजी के साथ कारोबार हो रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 87 अंक या 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 63,535 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 92 अंक या 0.48 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,684 पर था।सेंसेक्स पैक में एशियन पेंट्स, टाटा स्टील, ट्रेंट, अदाणी पोर्ट्स, बजाज फाइनेंस, बजाज फिनसर्व, बीईएल, इंडिगो, पावर ग्रिड, भारती एयरटेल, सन फार्मा, इटरनल, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, एचसीएल टेक, आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट और एमएंडएम गेनर्स थे।

विदेशी निवेश भारत में लाने के लिए सरकार ने पेश किया बिल, विदेशी निवेशकों को मिलेगी बड़ी राहत

नई दिल्ली(ए)। देश में विदेशी निवेश को बढ़ावा देने और कारोबार को अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने संसद में टैक्सेशन एंड अदर लॉज़ (संशोधन) विधेयक पेश किया है। प्रस्तावित संशोधनों में विदेशी निवेशकों, ग्लोबल इनवेस्टमेंट फंड, REIT और InvIT निवेशकों के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण एवं डेटा सेंटर क्षेत्र को बड़ी राहत देने का प्रावधान किया गया है। सूत्रों के अनुसार वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत यह विधेयक तीन प्रमुख आधारों—प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई), 'मेक इन इंडिया' और कारोबार सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस)—पर केंद्रित है। इसके तहत ग्लोबल इनवेस्टमेंट फंड के लिए निवेश संबंधी शर्तों को सरल बनाया जाएगा, जबकि दुरुपयोग रोकने के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रावधान बनाए रखे जाएंगे। साथ ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के लिए कर व्यवस्था को स्पष्ट और स्थायी स्वरूप देने का प्रस्ताव भी शामिल है, जिससे वैश्विक फंड प्रबंधक भारत में अपने फंड स्थानांतरित कर सकेंगे। विधेयक में REIT और ढ्ढठ्ठ1ढ्ढञ्ज निवेशकों को भी बड़ी राहत दी गई है। नई कर व्यवस्था में भी इन संस्थाओं से मिलने वाले लाभांश पर कर छूट जारी रखने का प्रस्ताव है। इससे कर व्यवस्था बदलने का निवेशकों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा और छोटे निवेशकों के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित होगी।सरकार ने डेटा सेंटर उद्योग को भी प्रोत्साहन देने की तैयारी की है। प्रस्तावित संशोधनों के तहत इस क्षेत्र में परियोजनाओं की मंजूरी प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा तथा कई सरकारी अनुमोदनों की अनिवार्यता समाप्त की जाएगी, जिससे निवेश और परियोजनाओं की गति तेज होने की उम्मीद है।इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने विदेशी कंपनियों को दी जाने वाली कर छूट की अवधि भी बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत भारत में कार्यरत इलेक्ट्रॉनिक्स कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर्स को पूंजीगत वस्तुएं, उपकरण और टूलिंग उपलब्ध कराने वाली विदेशी कंपनियों को मिलने वाली कर छूट को वित्त वर्ष 2031 से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2041 तक जारी रखने की योजना है।इसके लिए आयकर अधिनियम-2025 की अनुसूची-4 में संशोधन किया जाएगा। प्रस्ताव के अनुसार, यदि विदेशी कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराए गए उपकरणों का उपयोग भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के निर्माण में किया जाता है, तो संबंधित आय पर कर छूट मिलती रहेगी। यह सुविधा उन्हीं कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर्स को मिलेगी जो कस्टम बॉन्डेड क्षेत्र में संचालित हों और विदेशी कंपनियों के लिए मोबाइल फोन, लैपटॉप, टैबलेट, सर्वर, सब-असेंबली, वियरेबल्स तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का निर्माण करते हों।

गंगा पर नया डबल-लाइन पुल बनकर तैयार, 4 अक्टूबर तक 384 ट्रेनों का रूट डायवर्ट, 67 रद्द

पटना (आरएनएस)। त्योहारी सीजन से पहले पूर्व मध्य रेलवे ने बिहारवासियों को एक बड़ी सौगात दी है। दानापुर रेल मंडल के तहत मोकामा के पास गंगा नदी पर बहुप्रतीक्षित नए रेलवे पुल का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। हालांकि, इस नए पुल पर ट्रेनों की रफ्तार भरने से पहले इंटरलॉकिंग के काम के चलते यात्रियों को कुछ दिनों तक भारी परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। रेलवे ने मेगा ब्लॉक लेते हुए सैकड़ों ट्रेनों का रूट बदल दिया है और कई ट्रेनों को पूरी तरह से रद्द कर दिया है। अगर आप भी ट्रेन से सफर करने वाले हैं, तो घर से निकलने से पहले यह पूरी जानकारी जरूर पढ़ लें।

384 ट्रेनों का बदला रास्ता, 67 गाड़ियां पूरी तरह रद्द

पूर्व मध्य रेल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सरस्वती चंद्र द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इंटरलॉकिंग कार्य के कारण रेलवे यातायात में बड़ा फेरबदल किया गया है। इस दौरान कुल 384 महत्वपूर्ण ट्रेनों को उनके तय रूट की जगह परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। इसके साथ ही 56 ट्रेनों को बीच रास्ते में ही समाप्त (आंशिक समापन) किया जाएगा और 67 ट्रेनें आंशिक रूप से शुरू होंगी। यात्रियों की परेशानी यहीं खत्म नहीं होती, 20 सितंबर 2026 से 4 अक्टूबर 2026 के बीच अलग-अलग तारीखों पर कुल 67 ट्रेनें पूरी तरह से निरस्त रहेंगी। सबसे ज्यादा असर 3 अक्टूबर को देखने को मिलेगा, जिस दिन 36 ट्रेनें रद्द रहेंगी।

60 साल पुराने सिंगल लाइन पुल के जाम से मिलेगी निजात

मोकामा और बरौनी के बीच गंगा नदी पर मौजूद मौजूदा 1.9 किलोमीटर लंबा रेल-सह-सड़क राजेन्द्र पुल 1959 में बनाया गया था। इस पुराने पुल पर केवल सिंगल लाइन होने और तकनीकी बाधाओं के कारण लाइन का दोहरीकरण संभव नहीं था। पिछले छह दशकों में ट्रेनों की संख्या और यातायात कई गुना बढ़ गया, जिससे लंबी दूरी की एक्सप्रेस गाड़ियों को बरौनी से पहले ही छोटे स्टेशनों पर घंटों आउटर पर रोकना पड़ता था। यात्रियों की इसी भारी परेशानी को देखते हुए रेलवे बोर्ड ने नए डबल लाइन पुल का प्रस्ताव मंजूर किया था, जो अब बनकर तैयार है।

एलआईसी की बिक्री पेशकश को दोपहर तक 66 फीसदी अभिदान, सरकार बेचेगी 6.5 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की बिक्री पेशकश (ओएफएस) को मंगलवार दोपहर तक संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित श्रेणी में 66.10 फीसदी अभिदान मिला। केंद्र सरकार ने ओएफएस के जरिए होने वाली इस बिक्री के लिए न्यूनतम फ्लोर प्राइस 382 रुपये प्रति शेयर तय किया है।स्टॉक एक्सचेंज के जारी आंकड़ों के मुताबिक संस्थागत निवेशकों ने 382.07 रुपये प्रति शेयर के सांकेतिक मूल्य पर 18.81 करोड़ से अधिक शेयरों के लिए बोलियां लगाईं, जो उनके लिए आरक्षित हिस्से का 66.10 फीसदी है। केंद्र सरकार संस्थागत निवेशकों के लिए एलआईसी के 28.46 करोड़ से अधिक शेयर 382 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बेच रही है।खुदरा निवेशक बुधवार को इसके लिए बोलियां लगा सकेंगे। सरकार देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी में अपनी 6.5 फीसदी हिस्सेदारी यानी 82.22 करोड़ से अधिक शेयर 382 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य पर बेच रही है। इस हिस्सेदारी बिक्री से सरकार को करीब 31,000 करोड़ रुपये मिलेंगे। इसके साथ ही एलआईसी को न्यूनतम सार्वजनिक शेयरधारिता की आवश्यकता को समय से पहले हासिल करने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्रालय के तहत निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग दीपम ने 'एक्स' पर जारी एक पोस्ट में बताया कि एलआईसी में सरकार 2.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचने की पेशकश कर रही है। इसके साथ ही %ग्रीन शू ऑप्शन के तहत अतिरिक्त 4 फीसदी हिस्सेदारी भी बेची जा सकती है।

पूरे दिन दबाव में कारोबार के बाद गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार, निवेशकों को 2.90 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली, (आरएनएस)। क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) के नए सिस्टम को लेकर बाजार में बनी अनिश्चितता की वजह से घरेलू शेयर बाजार आज दबाव में कारोबार करता नजर आया। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी ने भी शेयर बाजार के सेंटिमेंट्स को बिगाड़ दिया। बाजार में बने दबाव की वजह से सेंसेक्स इंट्रा-डे में 930 अंक से अधिक टूट गया। इसी तरह निफ्टी ने भी 340 अंक से अधिक का गोता लगाया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत और निफ्टी 0.64 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।बीएसई का सेंसेक्स आज 439.94 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की मजबूती के साथ 79,132.97 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलते ही यह सूचकांक सांकेतिक तेजी दिखाते हुए 79,143.15 अंक तक आ गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

डोपिंग का घुन

वाडा और एआईयू जैसी संस्थाओं की रिपोर्टों से भारत में इस समस्या के लगातार गहराने की पुष्टि हुई है, लेकिन खेल संस्थाओं या सरकार ने इस दिशा में कोई सख्त एवं प्रभावी पहल नहीं की है।

स्कॉटलैंड के ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स के पहले ही दिन जुडो खिलाड़ी अरुण कुमार को डोप टेस्ट में पॉजिटिव पाए जाने के कारण इस आयोजन से बाहर कर दिया गया। इसके पहले कई अन्य भारतीय खिलाड़ियों को भी इसी टेस्ट में फेल होने के कारण इन खेलों में भाग लेने से रोक दिया गया था। खेलों की दुनिया में भारत के लिए यह नई शर्मनाक स्थिति है। हालिया वर्षों से विश्व एंटी-डोपिंग एजेंसी- वाडा- की रिपोर्ट में भारत दुनिया में डोपिंग उल्लंघन करने वाले देशों की सूची में लगातार शीर्ष पर बना हुआ है। एथलेटिक्स, वेटलिफ्टिंग, और कुश्ती में इसके सबसे ज्यादा मामले सामने आए हैं। दरअसल, कई एथलीटों के डोप टेस्ट में विफल होने के कारण ग्लासगो गेम्स में भारत के वेटलिफ्टिंग कोटा में कटौती कर दी गई।

हाल में डोपिंग के मामले क्रिकेट, फुटबॉल और बॉक्सिंग जैसे खेलों में भी सामने आए हैं। नतीजतन, एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने भारत को उच्च-जोखिम वाली श्रेणी में डाल दिया है। एआईयू के इस निर्णय से खेल जगत में भारत की साख कमजोर हुई है। इसका नतीजा यह होगा कि अब अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भारतीय एथलीटों को अधिक सख्त और अतिरिक्त परीक्षणों से गुजरना होगा। बड़े खेल आयोजनों से पहले भारतीय खिलाड़ी डोप टेस्ट में फेल होते रहे, तोअंतरराष्ट्रीय खेल संघ भारत के कोटा (प्रतिनिधित्व के लिए खिलाड़ियों की संख्या) में कटौती कर सकते हैं।

यह आशंका भी है कि अन्य देश और प्रायोजक भारतीय एथलीटों की उपलब्धियों को संदेह की नजर से देखने लगें। मगर इन अंदेशों से भारतीय खेल प्रशासक बेपरवाह नजर आते हैँ। वाडा और एआईयू जैसी संस्थाओं की रिपोर्टों से देश में इस समस्या के लगातार गहराने की पुष्टि होती रही है, लेकिन खेल संस्थाओं या भारत सरकार ने इस दिशा में कोई सख्त एवं प्रभावी पहल नहीं की है। दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस समय भारत सरकार ने ओलिंपिक में अधिक मेडल जीतने की कथित योजनाओं और 2036 ओलंपिक की मेजबानी हासिल करने जैसी महत्त्वाकांक्षी बातों में देशवासियों को उलझाए रखा है, उसी समय खेल की जड़ों को डोपिंग का घुन कुतरता जा रहा है।

नक्सल-मुक्त भारत: एकीकृत रणनीतियों से वामपंथी उग्रवाद पर निर्णायक विजय

भारत ने वामपंथी उग्रवाद से लगभग पूरी तरह मुक्त होने की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। अब देश का कोई भी जिला वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित नहीं है। यह परिवर्तन एक बहुआयामी और समन्वित रणनीति का परिणाम है, जिसमें सुरक्षा अभियान, बुनियादी ढांचे का विस्तार, आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों का पुनर्वास, आदिवासी कल्याण और सुशासन को समान

शांति व सुरक्षा के नए युग का शुभारंभ

लगभग छह दशकों तक भारत वामपंथी उग्रवाद की चुनौती से जूझता रहा। यह केवल एक सुरक्षा समस्या नहीं थी, बल्कि लाखों आदिवासी परिवारों और उन गांवों के लिए रोज़मर्रा की कठोर वास्तविकता थी, जो लंबे समय तक सड़कों, स्कूलों व समावेशी विकास के अवसरों से वंचित रहे। लगातार होने वाली हिंसा ने इन क्षेत्रों में जीवन को अनिश्चितता और भय से घेर रखा था।

31 मार्च 2026 को इस स्थिति में एक ऐतिहासिक बदलाव आया और भारत की आंतरिक सुरक्षा की यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव हासिल हुआ। देश ने नक्सलवाद के विरुद्ध निर्णायक सफलता प्राप्त की। मई 2014 में केंद्र सरकार के सत्ता में आने के समय रेड कॉरिडोर देश की आंतरिक सुरक्षा के सामने मौजूद सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक था। पहले अपनाए गए उपाय काफी हद तक बिखरे हुए और घटनाओं पर आधारित थे। इनमें अक्सर समस्या की मूल वजहों को दूर करने के बजाय उसके तत्काल प्रभावों से निपटने पर अधिक जोर दिया जाता था। इसके बाद वामपंथी उग्रवाद की चुनौती से निपटने के लिए सुरक्षा, विकास, बुनियादी ढांचे, सुशासन और जनकल्याण को एक साथ जोड़ने वाली व्यापक एवं एकीकृत रणनीति अपनाई गई। इसी समन्वित दृष्टिकोण ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में स्थायी बदलाव की नींव रखी।

पिछले बारह वर्षों में यह बदलाव तीन परस्पर जुड़े और एक-दूसरे को मजबूत करने वाले प्रयासों के माध्यम से आया। लोगों का विश्वास और भरोसा बहाल करने के लिए सुरक्षा अभियानों को सुदृढ़ किया गया, विभिन्न

एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया, आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास के लिए व्यवस्थित तंत्र विकसित किए गए तथा प्रभावित क्षेत्रों के लोगों तक लगातार पहुंच बनाई गई।

बुनियादी ढांचे के विस्तार के तहत भौतिक व डिजिटल कनेक्टिविटी को मजबूत किया गया, दूर-दराज के क्षेत्रों तक प्रशासन की पहुंच बढ़ाई गई और दीर्घकालिक आर्थिक अवसरों का सृजन किया गया। वहीं, कल्याणकारी गतिविधियों में सम्मान, समावेशी सेवाओं की पहुंच, सांस्कृतिक समावेशन और प्रभावित समुदायों को राष्ट्रीय विकास की मुख्यधारा से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया। इनमें से प्रत्येक प्रयास ने दूसरे प्रयासों को और मजबूत किया। सुरक्षा ने विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया, विकास ने लोगों का विश्वास गहरा किया और विश्वास ने कल्याणकारी पहलों को गति प्रदान की। यह कोई क्रमिक प्रक्रिया नहीं थी, जिसमें एक कदम के बाद दूसरा कदम उठाया गया हो; बल्कि यह शांति, विकास एवं विश्वास को लगातार मजबूत करने वाली एक सशक्त और अविच्छिन्न कड़ी थी।

सरकार पर भरोसा बहाल करना

इस प्रयास का उद्देश्य संवेदनशील और दूर-दराज़ के क्षेत्रों में सरकार की निरंतर उपस्थिति के माध्यम से लोगों का विश्वास और भरोसा बहाल करना था। प्रभावी व समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों तथा सरकारी संस्थाओं के बीच तालमेल को और मजबूत किया गया। इस समग्र दृष्टिकोण ने स्थानीय समुदायों और सरकारी तंत्र के बीच लंबे समय से बनी दूरी को कम करने तथा आपसी विश्वास को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वर्ष 2014 से पहले हिंसा का चरम दौर

वामपंथी उग्रवाद की शुरुआत वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी विद्रोह से हुई। यह आंदोलन माओवादी विचारधारा और सशस्त्र क्रांति के सिद्धांत से प्रेरित था। इसका मूल विचार हिंसक क्रांति के माध्यम से सत्ता हासिल करना था। समय के साथ वामपंथी उग्रवाद का विस्तार कई क्षेत्रों में हुआ। उग्रवादी संगठनों ने हथियारों और संसाधनों के लिए सरकारी प्रतिष्ठानों तथा पुलिस शस्त्रागारों को भी निशाना बनाया। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, नक्सलियों के लगभग 92 प्रतिशत हथियार पुलिस शस्त्रागारों से लूटे गए थे। वर्ष 2004 में कई उग्रवादी संगठनों के भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) में विलय के बाद यह संगठन और अधिक संगठित एवं प्रभावशाली हुआ। इसके परिणामस्वरूप वामपंथी उग्रवाद देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती बन गया।साल 2004 से 2014 का दशक वामपंथी उग्रवाद के इतिहास में सबसे हिंसक दशकों में से एक था। हिंसा 2010 में अपने चरम पर थी, जब एक ही साल में 1,936 घटनाएं हुईं और 720 नागरिकों की मौत हुई। पूरे दशक में हिंसा की 17,542 घटनाएं हुईं, जिनमें सुरक्षा बलों के 1,913 जवान और 5,019 नागरिक मारे गए।कोई एक जैसी राष्ट्रीय नीति नहीं थी। राज्य सरकारें अलग-अलग काम करती थीं। फिर भी, 2009 में सरकार ने सार्वजनिक रूप से माना कि नक्सलवाद भारत के सामने सबसे बड़ी आंतरिक सुरक्षा चुनौती है, जिसका दायरा कश्मीर और पूर्वोत्तर से भी कहीं ज़्यादा बड़ा था।

इतिहास में कौन प्रधानमंत्री ऐसे बदनाम हुआ?

हरिशंकर व्यास

स्वतंत्र भारत के इतिहास में कौन प्रधानमंत्री ऐसे बदनाम हुआ? इतना खलनायक हुआ? कौन गालियों का ऐसा पात्र बना? और क्यों? इसका जवाब एक प्रौढ़ महिला ने सोमवार, 20 जुलाई 2026 को जंतर-मंतर पर दिया। मैंने उसे सोशल मीडिया पर सुना। उसने कहा, 'भारत ने बुरी सरकारें देखी हैं लेकिन ऐसी दुष्ट, क्रूर, नीच सरकार कभी नहीं'! प्रौढ़ महिला हिंदू थी, पढ़ी-लिखी थी। और यह वाक्य सचमुच स्वतंत्र भारत के 14 प्रधानमंत्रियों के इतिहास में नरेंद्र मोदी के शासन की वह सच्चाई है, जो इतिहास में अमिट रहेगी। इस वाक्य को सुन मुझे भी अपने प्रत्यक्ष अनुभवों के 12 प्रधानमंत्रियों के चेहरे याद हो आए। आप भी याद करें, पिछले 12 सालों में केवल प्रधानमंत्री मोदी के झूठों को, लोगों को बेवकूफ बनाने वाले जुमलों को, समाज को बांटने या दुनिया में भारत को 'कॉकरोच' बनाने वाली मूर्खताओं पर। और फिर बाकि प्रधानमंत्रियों पर।

क्या ऐसा डा. मनमोहन सिंह, वाजपेयी से लेकर इंदिरा गांधी, नेहरू का कोई रिकॉर्ड है?

मैंने 12 प्रधानमंत्रियों को पत्रकार के रूप में देखते, सुनते, समझते इनके हर समय के नैरेटिव का अनुभव लिया है। 1977 में दिल्ली के जंतर-मंतर के ही एक छोर पर कस्तूरबा गांधी मार्ग में हिंदुस्तान टाइम्स की बिल्डिंग के बाहर खड़े हो कर मैंने इंदिरा गांधी के रायबरेली से हारने और राजनारायण के जीतने की खबर सुनी थी। जनता ने जोश भरे हुंकारे में अपनी जीत का तब जश्न मनाया था। बावजूद इसके इंदिरा गांधी को वैसी गालियां मिलती नहीं सुनीं जो इस सोमवार से जंतर-मंतर पर नौजवानों के उस सैलाब में सुनने को मिलीं है जो 35 वर्ष से नीचे की 60-65 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधि है! फिर भले लड़के हों या लड़कियां या महिलाएं!

सन् 2011-12 में जंतर-मंतर पर ही मनमोहन सिंह सरकार के खिलाफ नौजवानों के नारे थे, पर प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को कोई झूठा, दलाल या देश बेचने वाला रंडवा, भगोड़ा आदि (वे शब्द, जिन्हें सुनना, बोलना, लिखना मेरे लिए असंभव है) नहीं कह रहा था। मैं सोशल मीडिया नहीं देखता हूं। पर कहते हैं भारत के घरों में सोशल मीडिया से मोदी को दी जा रही गालियों पर मजा लिया जा रहा है। जो नौजवान 2014 में मोदी को वोट देने के लिए मरा जा रहा था, जो मोदी को भगवान और विश्वगुरू करार दे रहा था, वही आज मोदी को ऐसे-ऐसे संबोधनों से चिन्हित कर रहा है, जो संभवतया दुनिया के किसी प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति को शायद ही कभी मिले हों।

हां, वैश्विक पैमाने पर भी सोचें। दुनिया में उन नेताओं को बहुत गालियां मिली हैं, जिन्होंने नरसंहार, तानाशाही का पशुपन दिखाया। पर स्टालिन, हिटलर, माओ से लेकर पोल पोट, ईदी अमीन, चिली के पिनोशे, अफगानिस्तान के मुल्ला उमर या हाल में तख्तापलट वाली बांग्लादेश की हसीना वाजिद, नेपाल के केपी शर्मा ओली आदि सभी की गालियों की दास्तां उनकी विचारधारा केंद्रित क्रूरता, नरसंहार, सत्ता की भेड़िया भूख, धर्मांधता जैसे कारणों से है। वह पूरी सत्ता या सिस्टम या सरकार के खिलाफ था। जबकि नरेंद्र मोदी का मामला अनूठा है। हिंदुओं की व्यक्तिगत भक्ति का कल्कि अवतार अब हिंदू लड़के-लड़कियों में ही उस ठग के रूप में है, जिस पर जंतर-मंतर के यूथ उबाल में यह पछतावा करता हुआ है कि हां, मैंने भी अपने मां-बाप के साथ मोदी को वोट दिया था। लेकिन मुझे घरवालों ने ही कहा- जाओ दिल्ली, जंतर-मंतर!

और जंतर-मंतर पर पुलिस-सुरक्षा बलों की पूरी फौज नरेंद्र मोदी तथा अमित शाह के लिए युवाओं से गालियां निकलवाते हुए है। नौजवान उस रचनात्मकता, बेलौस अंदाज में तख्तियों, मीम, पोस्टर, मोदी के फोटो के साथ जूते लटकाए हुए डायलॉग मार रहे हैं, जिसकी कल तक कल्पना नहीं थी।यह नोट रखें कि नौजवानों के लिए न तो सोनम वांगचुक का अर्थ है और न कथित कॉकरोच पार्टी के चेहरों या पदाधिकारियों का। नई पीढ़ी अनुभवों के गुस्से में, अपनी दशा, अपने साथ झूठ, धोखे, फरेब-ठगी से घायल है। सभी केवल और केवल मोदी पर केंद्रीत है।

ऐसा स्वतंत्र भारत के इतिहास में कभी नहीं हुआ। इमरजेंसी से पहले और बाद में इंदिरा गांधी को गालियां मिलीं थी, पर उसमें राजनीति, गैर-कांग्रेसवाद, विचार, अनुभव सब थे। 'गली-गली में शोर है, इंदिरा गांधी चोर है' जैसे नारे जनसंघ के कार्यकर्ताओं ने बच्चों को बिल्ले बांटते हुए बताए थे। अब बच्चे खुद ही गढ़ रहे हैं।

सभी के निशाने में केवल एक व्यक्ति नरेंद्र मोदी हैं। बच्चे, लड़के-लड़कियां, युवा के दिल-दिमाग में मोदी एकमेव हैं। अमित शाह और चुनाव आयोग के लिए संभव है कि वे जंतर-मंतर के कॉकरोचों की भीड़ से फोटो स्कैन कर इन सभी के नाम वोटर लिस्ट से काट दें। मतलब मोदी-शाह गालियों के बावजूद यूपी आदि के चुनाव जीतते जाएं। लेकिन अब वह जैविक नौजवान जोश कभी नहीं लौटेगा, जिसने कभी कभी घर-घर हर-हर मोदी बनाया था। चुनाव प्रक्रिया में कितनी ही तरह की ठगी रची जाए, राज चलता जाए, पर समय के साथ मोदी की स्मृति की गालियां भी बढ़ती जानी हैं। इसलिए क्योंकि आगे वाले दिनों में बुरे दिनों के अनुभव अनिवार्यत: जुड़ने है।

आगे मोदी सरकार में दैनंदिन जीवन की बदहाली और दर्ज होनी है। संभव ही नहीं है जो अच्छे दिन, छप्पन इंची छाती, विश्वगुरु, आत्मनिर्भर भारत, भ्रष्टाचार मुक्त भारत, महंगाई मुक्त भारत, सबका साथ-सबका विकास, हर हाथ को काम या शिक्षा-चिकित्सा में मोदी से कुछ भी पॉजिटिव बने।

अपना अब वे जितना प्रोपेगेंडा रचेंगें उतने ही नेगेटिव मोदी बनेंगे। वह भी सोशल मीडिया के भोकाल वाली युवा जुबानी।

जेन जी,जेन अल्फा की रचनात्मक भूमिका ही देश के भविष्य के आधार स्तंभ।

संजीव ठाकुर,

यह अत्यंत ही शुभ संकेत हैं भारत देश की जनसंख्या में युवा वर्ग का बड़ा प्रतिशत निवास कर रहा है और आने वाले दो दशकों में जेन जी और जेन अल्फा की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण एवं नई दिशा प्रदान करने वाली होगी, यही युवा वर्ग देश को वैश्विक स्तर पर आगे और बहुत आगे ले जाने का महत्वपूर्ण उद्देश्य सार्थक करेगा बशर्ते ये युवा वर्ग अपनी भूमिका को राष्ट्रीय हित से जोड़कर संरचनात्मक तथा सकारात्मक रखने का पुरजोर प्रयास करें। यह भी मानवीय पहलू है कि प्रत्येक व्यक्ति सफलता, प्रतिष्ठा और प्रसिद्धि प्राप्त करना चाहता है। यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि प्रगति मनुष्य की जन्मजात आकांक्षा होती है, किंतु प्रश्न यह है कि क्या केवल सफलता ही जीवन का अंतिम लक्ष्य है, अथवा सफलता का स्वरूप और उसे प्राप्त करने का मार्ग भी उतना ही महत्वपूर्ण है? निराशा मनुष्य की सबसे बड़ी शत्रु है। यह उसके आत्मविश्वास, ऊर्जा और सृजनात्मकता को भीतर ही भीतर नष्ट कर देती है। इसके विपरीत संयम, अनुशासन, धैर्य और दृढ़ संकल्प ऐसे अस्त्र हैं, जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी सफलता का मार्ग प्रशस्त करते हैं। जिस क्षण मनुष्य किसी कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने का संकल्प ले लेता है और निरंतर श्रम करने का निर्णय करता है, उसी क्षण उसकी विजय का प्रथम अध्याय आरंभ हो जाता है।चरित्र यदि चला गया, तो सब कुछ चला गया। महापुरुष का यह कथन केवल एक नैतिक उपदेश नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के दीर्घ अनुभव का निष्कर्ष है। आज का युग अभूतपूर्व अवसरों, तीव्र प्रतिस्पर्धा और त्वरित उपलब्धियों का युग है।स्वामी विवेकानंद ने कहा था उठो, जागो और तब तक मत रुको, जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।।यह केवल प्रेरक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन-दर्शन है। लक्ष्य तक पहुँचने का मार्ग कभी सरल नहीं होता। संघर्ष, असफलता, उपहास और विपरीत परिस्थितियाँ हर सफल व्यक्ति की यात्रा का अनिवार्य हिस्सा रही हैं। संसार में कोई भी महान व्यक्तित्व ऐसा नहीं हुआ, जिसने बिना कठिन परिश्रम और मानसिक दृढ़ता के सफलता प्राप्त की हो।

जर्सी का रंग बदलने से बदलेगी भारतीय हॉकी की तस्वीर?

- योगेश कुमार गोयल

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की पारंपरिक नीली जर्सी को बदलकर 15 अगस्त से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में केसरिया रंग की मुख्य जर्सी पहनाने के निर्णय ने देशभर में नई बहस छेड़ दी है। यह बहस केवल खेल तक सीमित नहीं रही है बल्कि राजनीति, संस्कृति, राष्ट्रीय पहचान और खेल परंपरा तक पहुंच गई है। एक पक्ष इसे खिलाड़ियों की सुविधा और तकनीकी आवश्यकता से जुड़ा निर्णय बता रहा है तो दूसरा पक्ष इसे भारतीय खेलों के कथित 'भगवाकरण' के रूप में देख रहा है। सवाल यह है कि क्या वास्तव में जर्सी का रंग बदलना इतना बड़ा मुद्दा है या यह विवाद मूल प्रश्नों से ध्यान भटका रहा है? सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हॉकी इंडिया ने जर्सी का रंग बदलने का निर्णय किन आधारों पर लिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी रहे दिलीप तिर्की के अनुसार, आज अधिकांश अंतरराष्ट्रीय हॉकी मुकाबले नीले सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ पर खेले जाते हैं। ऐसे में नीली जर्सी कई बार मैदान की पृष्ठभूमि में घुल-मिल जाती है, जिससे तेज गति वाले खेल में खिलाड़ियों को अपने साथी खिलाड़ियों की पहचान करने में कठिनाई होती है। आधुनिक हॉकी में खेल की गति अत्यंत तेज हो चुकी है, जहां एक सेकेंड का निर्णय मैच का परिणाम बदल सकता है। पासिंग, पोजिशनिंग और त्वरित निर्णय के लिए खिलाड़ियों की स्पष्ट दृश्यता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी कारण खिलाड़ियों, कप्तानों, कोचों और सहयोगी स्टाफ से विचार-विमर्श के बाद अधिक स्पष्ट दिखाई देने वाले रंग के रूप में केसरिया को चुना गया।यदि यही वास्तविक कारण है तो इसे केवल तकनीकी दृष्टि से देखने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्व खेलों में जर्सी के रंग समय-समय पर बदले जाते रहे हैं। फुटबॉल, रग्बी, क्रिकेट, बास्केटबॉल और हॉकी जैसी लगभग सभी खेल प्रतियोगिताओं में टीमें प्रतियोगिता, दृश्यता, प्रायोजकों, प्रसारण गुणवत्ता और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार अपनी जर्सियों में परिवर्तन करती रहती हैं। भारतीय हॉकी टीम इससे पहले साल 2014 विश्वकप में पीली तथा 2018 में हल्के नीले रंग की जर्सी पहन चुकी है। इसलिए रंग परिवर्तन स्वयं में कोई असाधारण घटना नहीं है। विवाद इसलिए बढ़ा है क्योंकि भारतीय हॉकी की पहचान पिछले कई दशकों से नीली जर्सी के साथ जुड़ चुकी है। जैसे ब्राजील की फुटबॉल टीम पीली जर्सी, अर्जेंटीना आसमानी-सफेद धारियों, न्यूजीलैंड 'ऑल ब्लैक्स' और ऑस्ट्रेलिया हरे-पीले रंग से पहचाने जाते हैं, उसी प्रकार भारतीय हॉकी की पहचान भी नीली जर्सी रही है।

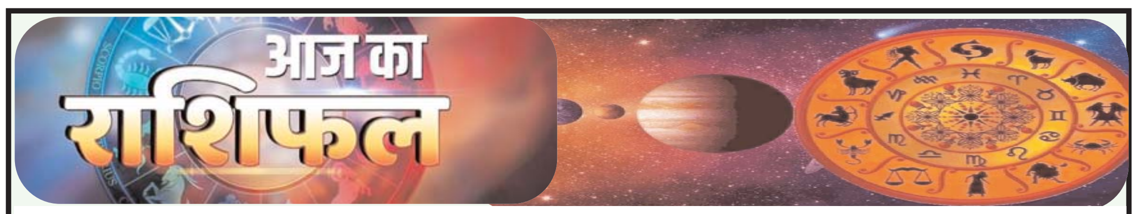

मेष राशि : आज का दिन लाभ ही लाभ देने वाला रहेगा। आज किसी नए स्त्रोत से अचानक धन लाभ होने से परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा। इस राशि वाली महिलाओं के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा है उन्हें अपने ननिहाल या मायके पक्ष से खुशखबरी मिल सकती है।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज कार्यस्थल की व्यवस्था में कुछ नया परिवर्तन लाने की भी जरूरत है। टूर एंड ट्रेवल्स तथा मीडिया संबंधी व्यवसाय में आज सुधार आएगा। आपके प्रयासों से आज रुका हुआ काम भी बन सकता है।

मिथुन राशि : लेखकों के लिए आज का दिन बहुत ही महत्वपूर्ण रहने वाला है। आज उन्हें अपने लेखन शैली तथा अच्छे व्यवहार से जीवन में सफलता मिलने के अवसर प्राप्त होंगे और आज आपको एक बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। व्यापार बढ़ाने की योजनाओं पर आज एक बार फिर से विचार करेंगे।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। आय का रुका हुआ स्त्रोत आज फिरसे शुरू होने से राहत मिलेगी।

सिंह राशि : आज का दिन व्यस्त रहने वाला है। आप अपनी योजनाओं को गोपनीय तरीके से लागू करें आज थोड़ी सी जागरुकता रखने से आपकी योजनाएं और काम सफल हो जाएंगे। इसके साथ ही अगर आज आप घर में परिवर्तन संबंधी निर्णय लेना चाहते है तो दिन अच्छा है।

कन्या राशि : आज आप का दिन रोज से अच्छा रहेगा। आज पारिवारिक माहौल सुखद और अच्छा रहेगा, शाम का समय बड़े बुजुर्गों के साथ बिताएंगे। पिछले कुछ समय से चल रही समस्या छुटकारा मिलने और असंतुलित खर्चों को व्यवस्थित करने से आर्थिक स्थिति में ठहराव आएगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। आप अपने कामकाजी जीवन से थोड़ा ब्रेक लेकर जीवन साथी के साथ किसी ट्रिप पर जाने का प्लान बनाएंगे। यह आपके अपने रिश्ते को संजोए रखने के लिए आवश्यक कदम होगा।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। काम करने के तरीकों में नया बदलाव करेंगे तथा व्यवस्थित रहेंगे तो आपके काम जल्द ही पूरे हो जाएंगे। आज आपको नयी जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य में फायदेमंद साबित होगी। आज आलस्य छोड़कर काम में मन लगाने की कोशिश करें , आज आप मार्केट से अपना मनपसंद सामान खरीदेंगे।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज दोस्तों और संबंधियों से पूरी मदद मिलेगी। आज दोस्तों से खास काम के सिलसिले में बातचीत हो सकती है। किसी महत्वपूर्ण कार्य को करने से पहले घर के सदस्यों की सलाह लेना आपके लिए आज बहुत ही लाभदायक रहेगा। आज सुखद समाचार मिलने से भावनात्मक रूप से आपको तस्सली मिलेगी। आज कुछ समय एकांत अथवा आध्यात्मिक स्थल पर बिताएंगे। मकर राशि : आज दिन की शुरूआत बढ़िया होगी। इससे परिवार में सामंजस्य बना रहेगा।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेंगे। आज पारिवारिक तथा व्यावसायिक गतिविधियों में संतुलन बना कर रखने से उचित व्यवस्था बनी रहेगी। स्टूडेंट को आज अपने अध्ययन और करियर में एकाग्रता रखने से उचित परिणाम मिलेंगे।

मीन राशि :आज का दिन आपको सफलता दिलाने वाला रहेगा। आज बच्चों का परिणाम देखकर मन में तसल्ली रहेगी। आज अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए ध्यान केंद्रित करेंगे। आज आपको यह ध्यान रखन होगा कि नकारात्मक विचार आपके मनोबल को कमजोर कर सकते हैं।

देश नशा-मुक्त हो या न हो, नारे ज़रूर नशा-मुक्त हैं

[अभियान इतने सफल हैं कि नशा अब ऑनलाइन हो गया है]
[व्यवस्था की सबसे बड़ी उपलब्धि — नशा अब पहले से ज़्यादा सुलभ है]

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

कानून की सबसे लंबी सजा कभी अपराधी को नहीं, न्याय को मिलती है। नशा मुक्त भारत का मौजूदा अभियान इसी सजा के बीच अपनी सफलता का उत्सव मना रहा है। सौ-सप्ताहीय कार्यक्रम, युवाओं की शपथ, जागरूकता यात्राएं और सरकारी संकल्प यह भरोसा जगाते हैं कि नशे के खिलाफ निर्णायक संघर्ष चल रहा है। लेकिन दूसरी ओर एनडीपीएस कानून से जुड़े लगभग 3.96 लाख मुकदमे अदालतों में वर्षों से लंबित हैं। यह केवल आंकड़ा नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का मौन बयान है, जहां न्याय की हर देरी अपराध का आत्मविश्वास बढ़ाती है। अभियान सक्रियता का आभास देते हैं, जबकि अदालतों की ठहरी हुई फाइलें बताती हैं कि व्यवस्था अपनी ही रफ्तार से हार रही है। नशा अब कानून से नहीं, कानून की देरी से सबसे अधिक सुरक्षित हो चुका है।अदालतें जब समय हारने लगती हैं, तब अपराधी मुकदमे नहीं, अवसर गिनते हैं। पंजाब में लगभग साठ हजार और केरल में करीब पचास हजार एनडीपीएस मामले वर्षों से लंबित हैं। विशेष अदालतें जरूरत से कम हैं, न्यायाधीश सीमित हैं और मुकदमों की चाल इतनी सुस्त है कि अनेक आरोपी जमानत पर बाहर आकर अपना तंत्र फिर खड़ा कर लेते हैं। यहीं न्याय की देरी अपराध का सबसे विश्वसनीय संरक्षण बन जाती है। जितने अधिक मामले दर्ज होते हैं, उतना ही बैकलॉग बढ़ता है और उतना ही यह विश्वास गहराता है कि गिरफ्तारी अंत नहीं, केवल एक औपचारिक पड़ाव है। नशा मुक्त अभियान अपराध को सामाजिक अभिशाप बताते हैं, लेकिन न्यायिक विलंब उसी अभिशाप की उम्र बढ़ाता रहता है। यह ऐसा विरोधाभास है, जिसे अब कोई सरकारी उपलब्धि ढक नहीं सकती।

नशे का बाजार अब गलियों से निकलकर मोबाइल की स्क्रीन पर फल-फूल रहा है। इतिहास में पहली बार गली हार गई और स्क्रीन जीत गई। एन्क्रिप्टेड ऐप, डार्क वेब और सोशल मीडिया के बंद समूहों ने खरीद-बिक्री को इतनी गोपनीयता दे दी है कि ग्राहक को घर से बाहर निकलने की भी जरूरत नहीं पड़ती। जिन कॉलेजों में नशा विरोधी रैलियां निकलती हैं, वहीं के छात्र मोबाइल से सप्लायर तक पहुंच जाते हैं। पुलिस पुराने तस्करों को पकड़ती है, लेकिन तब तक डिजिटल दुनिया नए चेहरे तैयार कर चुकी होती है। हमारी कार्रवाई आज भी एनालॉग सोच में अटकी है, जबकि अपराध पूरी तरह डिजिटल हो चुका है। यही फासला अभियानों को प्रतीक और नशे को सुविधा बना देता है। जब तकनीक ही अपराध का सबसे भरोसेमंद माध्यम बन जाए, तब पोस्टर और शपथ उसकी रफ्तार नहीं रोक सकते।जब ईमानदार श्रम की कीमत घटने लगे और जोखिम सबसे लाभकारी रोजगार बन जाए, तभी अपराध कारोबार बन जाता है। बेरोजगारी, त्वरित कमाई का आकर्षण और फैलता अवैध धन युवाओं को नशे की सप्लाई चेन में खींच लाता है। छोटे वाहक गिरफ्तार होते हैं, उनके परिवार बिखरते हैं और समाज उन्हें अपराध का चेहरा मान लेता है। उधर बड़े तस्कर कमजोर अभियोजन, लंबी कानूनी प्रक्रिया और तकनीकी खामियों की आड़ में बच निकलते हैं। अभियान युवाओं को नैतिकता का उपदेश देते हैं, लेकिन व्यवस्था सम्मानजनक आर्थिक विकल्प नहीं दे पाती। नशा केवल लत नहीं, कुछ परिवारों की छिपी आजीविका बन जाता है। जब तक यह आर्थिक सच स्वीकार नहीं किया जाएगा, हर अभियान बीमारी नहीं, उसके लक्षणों का उपचार करेगा।आंकड़े कभी-कभी ऐसी जीत का उत्सव मनाते हैं, जिसे सच्चाई चुपचाप हार में बदल चुकी होती है। हर वर्ष प्रवर्तन एजेंसियां बड़ी जब्तियों का दावा करती हैं। मीडिया में सुर्खियां बनती हैं, प्रेस कॉन्फ्रेंस होती हैं और इसे सफलता बताया जाता है। लेकिन इतनी बरामदगी के बाद भी यदि बाजार में नशा पहले जैसी सहजता से उपलब्ध है और कीमतों में उल्लेखनीय उतार-चढ़ाव नहीं आता, तो स्पष्ट है कि एक सप्लाई लाइन की जगह दूसरी खड़ी हो चुकी है। तब बरामदगी उपलब्धि नहीं, बल्कि लगातार रास्ते बदलते विशाल नेटवर्क का प्रमाण बन जाती है। जब्ती के आंकड़े जितने बढ़ते हैं, प्रश्न उतना बड़ा होता है कि उपलब्धता क्यों नहीं घट रही। सफलता की असली कसौटी बरामद माल नहीं, घटती मांग और कठिन होती पहुंच होनी चाहिए।हर अभियान की सबसे बड़ी चूक यह है कि वह घरों के भीतर पसरे सन्नाटे को सुन ही नहीं पाता। परिवारों की त्रासदी सबसे कम दिखाई देती है, जबकि सबसे अधिक वही भुगतते हैं। एक ओर उन्हें जागरूकता कार्यक्रमों में नशे से दूर रहने की सीख मिलती है, दूसरी ओर वही नशा डिजिटल रास्तों से उनके बच्चों तक पहुंच जाता है। परिवार का कोई सदस्य नशे के आरोप में वर्षों अदालतों के चक्कर काटे, तो आर्थिक बोझ, सामाजिक अपमान और मानसिक थकान पूरे घर को तोड़ देती है। न्याय में देरी केवल एक मुकदमे को लंबा नहीं करती, बल्कि व्यवस्था से नागरिक का भरोसा भी कम करती है। नशा छोड़ने का संदेश हवा में तैरता रहता है, जबकि नशे की उपलब्धता घर के भीतर प्रवेश करती रहती है। यही सबसे भयावह असमानता है, जिसे कोई नारा ढंक नहीं सकता। किसी भी अभियान का अंतिम फैसला नारों से नहीं, जमीन की हकीकत से होता है। यदि विशेष अदालतें पर्याप्त नहीं होंगी, फॉरेंसिक रिपोर्ट महीनों अटकी रहेंगी, डिजिटल सप्लाई चेन पर ठोस रोक नहीं लगेगी और छोटे मामलों के लिए प्रभावी सुधार व्यवस्था नहीं होगी।

असम में नाबालिग से रेप और हत्या के मामले में 3 किशोर गिरफ्तार, फांसी की मांग को लेकर उग्र प्रदर्शन

दिसपुर ,(आरएनएस)। असम के हैलाकांडी जिले में 15 वर्षीय किशोरी की कथित दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक नाबालिग भी शामिल है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और आगे भी कुछ गिरफ्तारियां होने की संभावना जताई है। पुलिस के अनुसार, मृतका आरोपियों में से एक के साथ रिश्ते में थी। किशोरी का शव राष्ट्रीय राजमार्ग-6 (एनएच-6) के पास स्थित उसके घर में मिला था। परिजनों का आरोप है कि उसके साथ पहले दुष्कर्म किया गया और फिर बेरहमी से हत्या कर दी गई।मामले की जांच के दौरान पुलिस ने रविवार को पांच युवकों को हिरासत में लिया था। पूछताछ के बाद सोमवार को 17 से 19 वर्ष आयु के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। हैलाकांडी के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने बताया कि एक आरोपी की उम्र करीब साढ़े 17 वर्ष है। पुलिस ने अदालत से उसे वयस्क मानकर मुकदमा चलाने की अनुमति देने का अनुरोध किया है।

मृतका की मां ने बताया कि परिवार के सभी सदस्य एक दावत में गए थे। वहां किशोरी की अपने चचेरे भाई के साथ कहासुनी हो गई, जिसके बाद वह रात करीब 10:30 बजे अकेले घर लौट आई। लगभग एक घंटे बाद जब परिवार घर पहुंचा तो वह मृत मिली। परिजनों ने आरोपियों के लिए फांसी की सजा की मांग की है।

पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं और उनसे पूछताछ जारी है। एसएसपी ने बताया कि आरोपी घर और परिवार की परिस्थितियों से परिचित थे। उन्होंने कहा कि फिलहाल किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी, लेकिन सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है।

घटना के बाद हैलाकांडी और बराक घाटी क्षेत्र में लोगों में भारी आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने असम और मिजोरम को जोड़ने वाले एनएच-6 को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया और आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा, यहां तक कि फांसी देने की मांग की।

डीजल लेकर जा रहा टैंकर बिजली के पोल से टकराया, लगी भीषण आग; 3 लोगों की जिंदा जलकर मौत

आजमगढ़ ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले से एक बेहद दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके में मातम और दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। गोरखपुर से डीजल लेकर बिलरियागंज थाना क्षेत्र के एक पेट्रोल पंप की ओर जा रहा एक भारी-भरकम टैंकर सोमवार को जीयनपुर कोतवाली क्षेत्र के मालटारी-मिर्जापुर स्थित बिजली उपकेंद्र (सब-स्टेशन) के पास एक भयानक हादसे का शिकार हो गया। बेकाबू टैंकर बिजली के पोल से जा टकराया, जिससे पोल पर लगा ट्रांसफार्मर सीधा टैंकर पर गिर गया और एक जोरदार धमाके के साथ उसमें भीषण आग लग गई।ऊंची-ऊंची लपटों ने रोका रास्ता, चाहकर भी पास नहीं जा सके लोगहादसा इतना खौफनाक था कि धमाके के तुरंत बाद टैंकर से आग की ऊंची-ऊंची और विकराल लपटें उठने लगीं। आसपास मौजूद ग्रामीण और राहगीर चाहकर भी टैंकर के पास नहीं जा सके और उन्हें दूर से ही इस भयावह मंजर को देखने पर मजबूर होना पड़ा। देखते ही देखते आग ने पूरे टैंकर को अपनी आगोश में ले लिया और उसमें मौजूद लोगों को बाहर निकलने का जरा भी मौका नहीं मिला।

नीति, एथेनॉल और विपणन सुधारों पर किसान संगठनों से केंद्रीय कृषि मंत्री की विस्तृत चर्चा

शिवराज सिंह चौहान बोले- किसान केंद्रित कृषि व्यवस्था के निर्माण के लिए सरकार प्रतिबद्ध

नई दिल्ली ,,(आरएनएस)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को नई दिल्ली स्थित कृषि भवन में विभिन्न किसान संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर कृषि क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में एथेनॉल, राष्ट्रीय कृषि नीति, कृषि उत्पादों के विपणन, आयात शुल्क तथा फ्यूचर मार्केट सहित कई अहम मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ।बैठक के दौरान किसान संगठनों के प्रतिनिधियों ने कृषि क्षेत्र से संबंधित अपनी मांगों और सुझावों को केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने कहा कि देश में एथेनॉल के विरुद्ध सुनियोजित तरीके से दुष्प्रचार किया जा रहा है, जबकि किसानों की आय बढ़ाने, कृषि विविधीकरण को प्रोत्साहित करने और ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाने के लिए बड़े पैमाने पर एथेनॉल उत्पादन आवश्यक है। प्रतिनिधियों ने इस विषय में सकारात्मक जन-जागरूकता अभियान चलाने की भी आवश्यकता जताई। किसान संगठनों ने राष्ट्रीय कृषि नीति, कृषि उत्पादों के विपणन में मौजूद बाधाओं को दूर करने, आयात शुल्क तथा फ्यूचर मार्केट जैसे विषयों पर किसानों के हितों के अनुरूप दीर्घकालिक और व्यापक नीति तैयार करने का आग्रह किया। उनका कहना था कि ऐसी नीतियां न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होंगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और कृषि क्षेत्र की स्थिरता को भी मजबूती देंगी।केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसान संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा दिए गए सुझावों और विचारों को गंभीरता से सुना तथा कहा कि केंद्र सरकार किसानों के हितों की रक्षा और कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सभी संबंधित पक्षों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य भारतीय कृषि को अधिक सशक्त, टिकाऊ और किसान-केंद्रित बनाना है। इसके लिए किसानों से प्राप्त सुझावों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और आवश्यकतानुसार उन्हें नीतिगत प्रक्रिया में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा। श्री चौहान ने विश्वास व्यक्त किया कि सरकार, किसान संगठनों और अन्य हितधारकों के सहयोग से कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव लाए जा सकते हैं, जिससे किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादन को प्रतिस्पर्धी बनाने और देश की खाद्य एवं ऊर्जा सुरक्षा को और अधिक मजबूत करने में मदद मिलेगी।

लज्जा भंग' या 'बेबस महिला' जैसे शब्दों का न हो इस्तेमाल, रेप केस की सुनवाई के लिए एससी की गाइडलाइंस

नई दिल्ली ,,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराधों से जुड़े मामलों की सुनवाई और फैसले लिखने में अधिक संवेदनशीलता अपनाने पर जोर देते हुए एक विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अदालतों को ऐसी भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए जो पीड़ित की गरिमा, संवैधानिक अधिकारों और शारीरिक स्वायत्तता का सम्मान करे।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस अनिरुद्ध बोस की अध्यक्षता वाली समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि जजों को 'प्रोसिक्यूट्रिक्स (शिकायतकर्ता महिला)', 'बेबस महिला', 'पवित्रता खो दी' और 'लज्जा भंग' जैसे शब्दों के प्रयोग से बचना चाहिए। इसके बजाय 'पीड़ित , 'सर्वाइवर', 'शिकायतकर्ता', 'शारीरिक स्वायत्तता ' और 'यौन हमला जैसे तटस्थ और सम्मानजनक शब्दों का उपयोग किया जाना चाहिए।

'जजमेंट्स एंड जेंडर: सेंसिटिविटी एंड कम्पैशन इन राइटिंग जजमेंट्स' शीर्षक वाली यह रिपोर्ट देशभर की ट्रायल अदालतों के 125 फैसलों के अध्ययन के आधार पर तैयार की गई है। इस अध्ययन में विभिन्न राज्य न्यायिक अकादमियों का सहयोग लिया गया।

रिपोर्ट में पाया गया कि कई मामलों में न्यायिक भाषा और व्यवहार में संवेदनशीलता की कमी देखने को मिली। समिति ने कहा कि निष्पक्षता, सम्मान और तटस्थता सुनिश्चित करने के लिए अदालतों को पीड़ित को दोषी ठहराने वाले सवालों और रूढ़िवादी टिप्पणियों से बचना चाहिए। साथ ही, पीड़ितों को आरोपी के साथ बातचीत करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।समिति ने विशेष रूप से चिंता जताई कि बेहोश महिलाओं से जुड़े यौन उत्पीड़न के मामलों में कई बार न्यायिक टिप्पणियां बलात्कार से जुड़े मिथकों को बढ़ावा देती हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, ऐसे मामलों में आरोपी के व्यवहार पर ध्यान देने के बजाय अक्सर पीड़ित की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए जाते हैं, जो न्याय की भावना के विपरीत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि सम्मान, शर्म, पवित्रता, संकोच और शुद्धता जैसे शब्द पितृसत्तात्मक सोच को दर्शाते हैं, जो महिला की गरिमा को उसकी यौन पवित्रता या परिवार की प्रतिष्ठा से जोड़ते हैं। इसके बजाय न्यायिक तर्क का आधार सहमति, गरिमा, शारीरिक स्वायत्तता और संवैधानिक अधिकार होने चाहिए।समिति ने अदालतों को सलाह दी कि फैसलों में 'हवस', 'बेचारी बेबस नाबालिग', 'बचपन बर्बाद कर दिया' और 'जिंदगी तबाह कर दी' जैसे भावनात्मक या नैतिक टिप्पणी वाले वाक्यांशों के बजाय कानूनी रूप से सटीक और तटस्थ भाषा का प्रयोग किया जाए।

एक्ट्रेस तृषा पर विवादित बयान मामले में बड़ा एक्शन, पुलिस ने पूर्व सीएम स्टालिन के बेटे को किया गिरफ्तार

तंजावुर (आरएनएस)। तमिलनाडु की सियासत में एक बार फिर बड़ा भूचाल आ गया है। मशहूर फिल्म अभिनेत्री

तृषा कृष्णन को लेकर की गई एक कथित आपत्तिजनक और दोअर्थी टिप्पणी के मामले में राज्य के नेता प्रतिपक्ष और डीएमके के कद्दावर नेता उदयनिधि स्टालिन को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। राज्य के मुख्यमंत्री विजय की सत्तारूढ़ पार्टी 'तमिलगा वेट्री कझगम' द्वारा पुलिस और राष्ट्रीय महिला आयोग में सख्त शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद यह बड़ी कार्रवाई की गई है। गिरफ्तारी से पहले तंजावुर में उस घर के बाहर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया था, जहां उदयनिधि ठहरे हुए थे।यह पूरा हाई-प्रोफाइल विवाद तंजावुर में कावेरी जल विवाद को लेकर आयोजित एक जनसभा के दौरान शुरू हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पूर्व उपमुख्यमंत्री और मौजूदा नेता प्रतिपक्ष उदयनिधि स्टालिन जब मंच से अपना भाषण दे रहे थे, तभी भीड़ में मौजूद कुछ लोगों ने अचानक 'तृषा, तृषा' के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस पर उदयनिधि ने अपना भाषण बीच में ही रोक दिया और भीड़ की तरफ देखते हुए कहा कि 'पानी कहीं और पहुंचे या न पहुंचे, उन्हें वहां जरूर पहुंचना चाहिए।' हालांकि, बाद में उन्होंने अपनी सफाई में यह स्पष्ट करने की कोशिश की कि उनका इशारा कावेरी नदी के पानी की तरफ था, लेकिन तब तक उनका यह बयान सियासी तौर पर बड़ा तूल पकड़ चुका था।उदयनिधि की इस विवादित टिप्पणी पर सत्ताधारी दल टीवीके ने कड़ा ऐतराज जताते हुए उनके खिलाफ मोर्चा खोल दिया। टीवीके का सीधा आरोप है कि उदयनिधि स्टालिन ने 'तृषा-तृषा' के नारों का जवाब बेहद अश्लील और दोहरे अर्थ वाली टिप्पणी से दिया है, जो सरेआम एक महिला का अपमान है। इसके तुरंत बाद, तंजावुर में टीवीके की सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट महिला विंग की संयोजक एस. भैरवी ने तंजावुर ईस्ट पुलिस स्टेशन पहुंचकर पूर्व डिप्टी सीएम के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज करा दी।

जेडी(यू) के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद नीतीश कुमार, केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, और जेडी(यू) के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद संजय कुमार झा ने नई दिल्ली में संसद भवन स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

अहमदाबाद-गांधीधाम रेल मार्ग पर मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता का ट्राई ने किया आकलन

300 किलोमीटर के रेल मार्ग पर स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट के जरिए वॉयस और डेटा सेवाओं की गुणवत्ता परखी गई

नई दिल्ली, (आरएनएस)। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने गुजरात लाइसेंस सेवा क्षेत्र (एलएसए) के अंतर्गत अहमदाबाद से गांधीधाम रेल मार्ग पर मोबाइल नेटवर्क सेवाओं की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए किए गए स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट (आईडीटी) के निष्कर्ष सार्वजनिक किए हैं। यह परीक्षण जून 2026 में किया गया था, जिसका उद्देश्य रेल मार्ग पर यात्रियों को उपलब्ध मोबाइल वॉयस और डेटा सेवाओं की वास्तविक समय गुणवत्ता का मूल्यांकन करना था।

ट्राई के अनुसार, स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट के माध्यम से विभिन्न दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई जा रही मोबाइल सेवाओं की गुणवत्ता का निष्पक्ष आकलन किया जाता है। इस प्रक्रिया के दौरान नेटवर्क कवरेज, कॉल ड्रॉप दर, कॉल कनेक्ट होने की सफलता दर, डेटा डाउनलोड और अपलोड गति सहित सेवा गुणवत्ता के प्रमुख मानकों का परीक्षण किया जाता है। इन परीक्षणों के परिणाम उपभोक्ताओं को जानकारी उपलब्ध कराने के साथ-साथ सेवा प्रदाताओं को अपनी सेवाओं में सुधार के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रकाशित किए जाते हैं।ट्राई ने अपनी अधिकृत एजेंसी के माध्यम से 30 जून 2026 को अहमदाबाद से गांधीधाम तक लगभग 300 किलोमीटर लंबे रेल मार्ग पर यह ड्राइव टेस्ट कराया। परीक्षण ट्राई के जयपुर क्षेत्रीय कार्यालय की निगरानी में संपन्न हुआ। रिपोर्ट में शामिल निष्कर्ष परीक्षण के दिन और समय पर संबंधित मार्ग पर विभिन्न दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के नेटवर्क प्रदर्शन को दर्शाते हैं।ड्राइव टेस्ट के दौरान सभी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के 2जी, 3जी, 4जी और 5जी नेटवर्क पर वॉयस कॉल तथा डेटा सेवाओं का परीक्षण किया गया।

पीएम सूर्य घर योजना ने पार किया 50 लाख रूफटॉप सौर प्रतिष्ठानों का आंकड़ा

हर छह दिन में एक लाख नए परिवार जुड़ रहे, 19 लाख परिवारों का बिजली बिल हुआ शून्य

नई दिल्ली, (आरएनएस)। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर : मुफ्त बिजली योजना ने देश में स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए 50.06 लाख से अधिक रूफटॉप सौर प्रतिष्ठानों का आंकड़ा पार कर लिया है। महज दो वर्षों में हासिल की गई यह उपलब्धि देश में सौर ऊर्जा के तेजी से विस्तार और नागरिकों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा संचालित यह योजना 75,021 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ दुनिया के सबसे बड़े रूफटॉप सौर ऊर्जा कार्यक्रमों में शामिल है।

हर छह दिन में एक लाख नए लाभार्थी

सरकार के अनुसार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में योजना का विस्तार तेज गति से हो रहा है। वर्तमान में औसतन हर छह दिन में एक लाख परिवार इस योजना से जुड़ रहे हैं। पिछले नौ महीनों में सौर प्रतिष्ठानों की स्थापना की गति 3.2 गुना बढ़ी है। अक्टूबर 2025 में जहां प्रतिदिन औसतन 5,038 प्रतिष्ठान लगाए जा रहे थे, वहीं जुलाई 2026 में यह संख्या बढ़कर लगभग 16,328 प्रतिष्ठान प्रतिदिन पहुंच गई।

जुलाई में बना नया रिकॉर्ड

योजना के तहत जुलाई 2026 में ही 5.06 लाख परिवारों के घरों पर सौर पैनल लगाए गए, जो योजना शुरू होने के बाद किसी एक महीने में अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है।

19 लाख परिवारों का बिजली बिल हुआ शून्य

सरकार ने बताया कि योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को अब तक 28,024 करोड़ रुपये की सब्सिडी सीधे उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है। इसके परिणामस्वरूप लगभग 19 लाख परिवारों का बिजली बिल शून्य हो गया है, जिससे घरेलू खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है।

इसके अलावा वित्त वर्ष 2024-25 में 12 लाख से अधिक परिवारों ने अतिरिक्त बिजली ग्रिड को बेचकर 421 करोड़ रुपये की आय अर्जित की। इससे प्रत्येक परिवार को औसतन लगभग 3,500 रुपये प्रति वर्ष की अतिरिक्त आय प्राप्त हुई।

कम आय वाले परिवारों को भी मिल रहा लाभ

सरकार ने बताया कि यूटिलिटी आधारित एग्रीगेशन मॉडल के माध्यम से चार राज्यों में प्रधानमंत्री आवास योजना, गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के 1.6 लाख परिवारों के यहां सौर प्रतिष्ठान लगाए जा चुके हैं। इस मॉडल को अब 12 राज्यों में लागू करने की मंजूरी मिल चुकी है।

योजना के तहत 5.75 प्रतिशत की रियायती ब्याज दर पर अब तक 21.87 लाख आवेदकों को ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से 17.5 लाख प्रतिष्ठान ऋण सहायता से स्थापित हो चुके हैं। जनसमर्थ पोर्टल से जुड़ने के कारण पूरी ऋण प्रक्रिया कागजरहित और सरल बन गई है।

14.8 गीगावाट क्षमता और रोजगार के नए अवसर

पीएम सूर्य घर योजना के तहत अब तक 14.8 गीगावाट रूफटॉप सौर क्षमता स्थापित की जा चुकी है। योजना से सौर ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार और उद्यमिता को भी बढ़ावा मिला है। देशभर में 34,219 पंजीकृत विक्रेता हैं, जिनमें से 29,469 सक्रिय हैं। वहीं सौर ऊर्जा मूल्य श्रृंखला के लिए 2.32 लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

बादलदार चीते के संरक्षण को नई मजबूती, भारत ने जारी की संरक्षण कार्य योजना

अंतर्राष्ट्रीय बादलदार चीता दिवस पर पर्यावास संरक्षण, वैज्ञानिक निगरानी और सामुदायिक भागीदारी पर आधारित व्यापक रणनीति लागू

नई दिल्ली, (आरएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय बादलदार चीता दिवस के अवसर पर भारत ने एशिया की सबसे दुर्लभ वन्यजीव प्रजातियों में शामिल बादलदार चीते (क्लाउडेड लेपर्ड) के संरक्षण के लिए एक व्यापक संरक्षण कार्य योजना (कंजर्वेशन एक्शन प्लान-सीएपी) जारी कर अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। भारत सरकार, वैश्विक पर्यावरण सुविधा (जीईएफ) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की संयुक्त पहल के तहत तैयार यह कार्य योजना जुलाई 2026 के दूसरे सप्ताह में कोयंबटूर में आयोजित राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की 91वीं बैठक में जारी की गई।

यह कार्य योजना विशेष रूप से पूर्वोत्तर भारत में बादलदार चीते के प्राकृतिक आवासों की सुरक्षा, वन क्षेत्रों के बीच संपर्क को मजबूत करने, वैज्ञानिक निगरानी को आधुनिक बनाने तथा स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर केंद्रित है।

14 प्राथमिकता वाले संरक्षण क्षेत्रों की पहचान

नई कार्य योजना के तहत पूर्वोत्तर भारत में बादलदार चीते के संरक्षण के लिए 14 प्राथमिकता वाले संरक्षण क्षेत्रों की पहचान की गई है। इसके साथ ही वन क्षेत्रों के बीच प्राकृतिक गलियारों के संरक्षण और क्षतिग्रस्त आवासों के पुनर्स्थापन पर विशेष बल दिया गया है, ताकि वन्यजीवों की आवाजाही सुरक्षित और निर्बाध बनी रहे।

सरकार ने इस प्रजाति को एकीकृत वन्यजीव आवास विकास (आईडीडब्ल्यूएच) योजना के अंतर्गत संचालित प्रजाति पुनर्प्राप्ति कार्यक्रम में भी शामिल किया है, जिससे इसके संरक्षण को संस्थागत स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी।

आधुनिक तकनीक से होगी निगरानी

संरक्षण कार्य योजना में बादलदार चीते की वैज्ञानिक निगरानी के लिए आधुनिक तकनीकों को अपनाया गया है। कैमरा ट्रैप, ऑक्यूपेंसी सर्वे, आनुवंशिक विश्लेषण और पर्यावरणीय डीएनए (ईडीएनए) जैसी उन्नत तकनीकों के माध्यम से इस दुर्लभ प्रजाति की संख्या, वितरण और आवास संबंधी आवश्यकताओं का सटीक आकलन किया जाएगा।

इसके साथ ही अवैध शिकार और वन्यजीव अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाएगा। वन अधिकारियों और मैदानी कर्मचारियों को आधुनिक एम-स्ट्राइप्स स्मार्ट एप्लीकेशन सहित नई तकनीकों का प्रशिक्षण देकर संरक्षण कार्यों को अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्रों के लिए 17 से 31 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

नई दिल्ली, (आरएनएस)। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग ने विधिक मापन (सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्र) नियमावली, 2013 के तहत सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्र (जीएटीसी) के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए पात्र संस्थानों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। इच्छुक उद्योग, प्रयोगशालाएं, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलिटेक्निक, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) तथा अन्य परीक्षण सुविधाएं 17 अगस्त से 31 अगस्त 2026 तक विभाग के आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकेंगी।

विभाग के अनुसार आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह डिजिटल होगी, जिसमें ऑनलाइन आवेदन, शुल्क भुगतान, आवेदन की स्थिति की निगरानी और विभाग के साथ संवाद जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। इस व्यवस्था का उद्देश्य प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सरल, समयबद्ध और व्यवसाय के अनुकूल बनाना है।

सत्यापन क्षमता बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम

उपभोक्ता कार्य विभाग ने बताया कि अब तक देश में 51 सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्रों को मान्यता प्रदान की जा चुकी है। नए केंद्रों के जुड़ने से देश में वजन और माप उपकरणों की सत्यापन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। इससे उद्योगों को निर्धारित समय में सत्यापन और पुनः सत्यापन की सुविधा मिलेगी, जबकि उपभोक्ताओं को व्यापारिक लेन-देन में अधिक सटीक माप सुनिश्चित हो सकेगा।

23 श्रेणियों के उपकरणों का होगा सत्यापन

हाल ही में विधिक मापन (सरकारी अनुमोदित परीक्षण केंद्र) नियमावली, 2013 में किए गए संशोधनों के बाद मान्यता प्राप्त जीएटीसी अब स्वास्थ्य, ऊर्जा, परिवहन, खुदरा व्यापार, विनिर्माण और आधारभूत संरचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग होने वाले 23 प्रकार के वजन और माप उपकरणों का सत्यापन और पुनः सत्यापन कर सकेंगे।

ईरान ने कुवैत में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर 3 ड्रोन गिराए, ट्रंप की चेतावनी-आखिरी मौका

वॉशिंगटन/तेहरान(ए)। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव जारी है। ईरान ने मंगलवार को कुवैत में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर एक बार हमला किया है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने हमले में कम से कम 3 ड्रोन का इस्तेमाल किया है। इराक के बसरा प्रांत में भी जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई है। बसरा प्रांत की सीमाएं ईरान और कुवैत से लगती हैं। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को अंतिम चेतावनी दी है।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि शायद हमें कुछ हासिल हो जाएगा, लेकिन मैं उन्हें पूरी तरह से खत्म करने से पहले हर आखिरी मौका देना चाहता हूं। सैन्य योजनाएं अभी भी लागू हैं। ऐसा करना बहुत मुश्किल है, लेकिन हमारे पास योजनाएं हैं। वे अभी भी योजना के दायरे में हैं...उम्मीद है कि वे अपनी गलती मान लेंगे।

उन्होंने कहा कि अभी ईरान के साथ बातचीत चल रही है।

उन्होंने आगे कहा, हम इस समय ईरान के अनुरोध पर सऊदी अरब,

संयुक्त अरब अमीरात और कतर के समर्थन से (ईरान के साथ) बातचीत कर रहे हैं, हालांकि अन्य देशों का भी समर्थन है। कई देशों ने संपर्क किया है, लेकिन अगर बात नहीं बनी तो उनके पास एक अच्छा दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने का यह आखिरी मौका है।

हालांकि, ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि वार्ता कहां हो रही थी और इसमें कौन-कौन अधिकारी शामिल थे।

ट्रंप के बयान से पहले ईरान किसी तरह की कोई बातचीत से इनकार कर चुका है।ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बगाई ने कहा कि अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं हो रही है और आने वाले दिनों में कोई बैठक तय नहीं है।

उन्होंने कहा कि चल रही एकमात्र चर्चा ओमान से संबंधित है और होर्मुज जलडमरूमध्य के प्रबंधन तक ही सीमित है।

बगाई के बयान के बाद ट्रंप ने इसे ईरान के नेताओं का दोहरापन बताया था।

रूस में पुतिन के महल के पास हॉलिडे रिसॉर्ट पर हमला, 3 बच्चों समेत 7 मौत

मॉस्को,(ए)। ।रूस और यूक्रेन के बीच पिछले 4 साल से चल रही जंग का दायरा बढ़ रहा है। रूसी अधिकारियों ने दावा किया कि यूक्रेन ने काला सागर स्थित एक पर्यटक स्थल पर ड्रोन हमला किया, जिसमें 3 बच्चों समेत 7 लोगों की मौत हुई है। क्रास्नोदार क्षेत्र के गवर्नर वेनियामिन कोंड्राटयेव ने बताया कि हमला गेलेंड्ज़िक रिसॉर्ट में एक भीड़भाड़ वाले समुद्र तट पर किया गया था। हमले में कुल 40 घायल हैं, जिनमें 17 अस्पताल में भर्ती हैं।हमले का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एक ड्रोन को एक चट्टान की ओर तेजी से गिरते हुए देखा जा सकता है, जो समुद्र तट पर विस्फोट होता है। मौके पर पर्यटक भी मौजूद दिख रहे हैं।रूसी विदेश मंत्रालय ने हमले की निंदा की है। प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने यूक्रेन पर आतंकवाद का सहारा लेने का आरोप लगाया।गर्वनर कोंड्राटयेव ने कहा कि यह कीव शासन का नागरिक आबादी पर जानबूझकर हमला था।ड्रोन से राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निजी महल से 18-20 किलोमीटर दूर काला सागर तट पर स्थित गेलेंड्ज़िक रिसॉर्ट के एक हिस्से, अर्खिपो-ओसिपोवका नामक पर्यटक गांव पर हमला हुआ था।गर्मियों में यह पर्यटन स्थल पर्यटकों से खचाखच भरा रहता है। घायलों में 9 की हालत गंभीर है।पिछले महीने रूस ने कीवी सेना पर यूक्रेन के जापोरिज़िया क्षेत्र के रूसी-नियंत्रित हिस्से में एक हॉलिडे कैंप पर हमले का आरोप लगाया था, जिसमें 4 बच्चों सहित 11 मौत हुई थी।यूक्रेन ने 2022 में रूस द्वारा शुरू किए गए युद्ध में अब रूस के अंदरूनी हिस्सों में हमलों को तेज कर दिया है, जिसमें तेल रिफाइनरियों और ई-कॉमर्स गोदामों को निशाना बनाया जा रहा है।यह हमला यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमीर ज़ेलेंस्की के यह कहने के कुछ घंटों बाद हुआ कि रूस युद्ध को लंबा खींच रहा है और वह तब तक सैन्य दबाव बनाए रखेंगे, जब तक मॉस्को के पास शांति के अलावा कोई विकल्प नहीं नहीं रह जाता।

अमेरिका में मचा हड़कंप! ईरान पर हमले का प्लान लीक, ट्रंप ने डीप स्टेट और कतर को ठहराया जिम्मेदार

वाशिंगटन,(ए.) ।लगातार हमलों के बाद अमेरिका ने एक बार फिर ईरान पर हमले रोक दिए हैं. इसके पीछे ट्रंप ने कतर और यूएई के बातचीत के प्रयासों को बताया है. इसी बीच ट्रंप ने बड़ा दावा किया है. उनका कहना है कि ईरान पर हमले से पहले उनका प्लान लीक हो गया है. इसके लिए ट्रंप ने सीधे डीप स्टेट और कतर को जिम्मेदार ठहराया है.

राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि 'डीप स्टेट' के अंदर मौजूद लोगों ने ईरान को युद्ध की योजनाएं लीक कर दीं. इन गद्दारों को लंबे समय के लिए जेल भेजा जाना चाहिए. ट्रंप का कहना है कि गद्दारों ने ईरान पर हमले की उनकी योजना लीक कर दी, जिससे दुश्मन को पहले से ही जानकारी मिल गई. कहा कि लीक करने वालों को जेल में डाल देना चाहिए. लीक करने वालों के लिए कानून और सख्त होने चाहिए.

ट्रंप ने कहा कि इस मामले में, लीक करने वालों ने मदद की क्योंकि उन्होंने हमले की गंभीरता के बारे में बताया. कहा कि ईरान को पता था. उन्हें पता था कि क्या होने वाला है. ट्रंप ने कहा कि उन्हें लीक और घटिया लोगों के जरिए पता चला, आप जानते हैं, बहुत सारे घटिया लोग, लीक करने वाले. सभी लीक करने वालों को जेल में डालो.

बातचीत में ट्रंप ने कहा कि कुवैत के लोगों को प्लान गुप्त रखना नहीं आता. वे हमेशा उन्हें लीक कर देते हैं, जैसे हमारे विमान को गिराए जाने के मामले में हुआ था. ईरान पर हमले के हमारे प्लान को लीक करने वालों को जेल में डाल देना चाहिए.

अमेरिका के 25 राज्य भारत समेत 60 देशों पर ट्रंप के टैरिफ के खिलाफ पहुंचे कोर्ट

वाशिंगटन,(ए.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रस्तावित नए टैरिफ का मामला एक बार फिर अमेरिकी अदालत में पहुंच गया है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेतृत्व वाले 25 राज्यों ने भारत समेत देश के 60 व्यापारिक साझेदारों पर लगाए गए नवीनतम टैरिफ को चुनौती देते हुए मुकदमा दायर किया है। राज्यों ने इसे सुप्रीम कोर्ट द्वारा फरवरी में रद्द किए गए आयात करों को बदलने का नया बहाना बताया

और कहा कि ट्रंप प्रशासन कानूनी शक्ति का दुरुपयोग कर रहा है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, न्यूयॉर्क स्थित अमेरिकी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार न्यायालय में दायर मुकदमे में 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा-301 के तहत पिछले महीने से लागू 10-12.5 प्रतिशत तक के टैरिफ को लक्षित किया गया है। ट्रंप प्रशासन के मुताबिक, ये शुल्क उन देशों को निशाना बनाते हैं जो जबरन श्रम से बने सामानों के निर्यात को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाते हैं।मुकदमों का नेतृत्व राज्यों में डेमोक्रेटिक पार्टी के राज्यपाल या अटॉर्नी जनरल कर रहे हैं।न्यूयॉर्क की अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में हारने के बाद ट्रंप प्रशासन एक बार फिर टैरिफ के एक नए दौर के साथ परिवारों और व्यवसायों पर अवैध रूप से कर बढ़ाने की कोशिश कर रहा है।

मुकदमा करने वालों में न्यूयॉर्क के साथ-साथ एरिज़ोना, कैलिफोर्निया, कोलोराडो, कनेक्टिकट, डेलावेयर, हवाई, इलिनोइस, केंटकी, मैसाचुसेट्स, मैरीलैंड, मेन, मिशिगन, मिनेसोटा, नेवादा, न्यू जर्सी, न्यू मैक्सिको, नॉर्थ कैरोलिना, ओरेगन, पेंसिल्वेनिया, रोड आइलैंड, वर्जीनिया, वर्मोंट, वाशिंगटन और विस्कॉन्सिन शामिल हैं।

ईरान तनाव के बीच पीएम मोदी के मुरीद हुए नेतन्याहू, बोले- भारत हमारे सबसे बड़े समर्थकों में से एक

यरूशलमत (ए.)। हाल ही में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की. इसके बाद अब भारत के साथ अपने देश के गहरे संबंधों को लेकर पीएम नेतन्याहू ने एक बहुत बड़ा बयान दिया है. ईरान के साथ जारी खिंचाव और क्षेत्रीय अस्थिरता के दौर में नेतन्याहू ने भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुलकर सराहना की है. उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी उनके सबसे बेहतरीन और सच्चे दोस्तों में से एक हैं. नेतन्याहू ने यह भी माना कि वैश्विक स्तर पर भारत से इजरायल को जो समर्थन और प्यार मिल रहा है, वह वास्तव में बहुत लाजवाब है. उनके इस बयान से दोनों देशों के मजबूत और अटूट रिश्तों की झलक एक बार फिर दुनिया के सामने आ गई है.इजरायल की विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बेंजामिन नेतन्याहू ने उन सभी दावों को सिरे से खारिज कर दिया जिनमें कहा जा रहा था कि इजरायल दुनिया में अकेला पड़ गया है. उन्होंने कहा कि जो लोग यह सोचते हैं कि इजरायल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग थलग पड़ चुका है, वे पूरी तरह गलत हैं. नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि उनका देश दुनिया के नए और मजबूत साझेदारों के साथ अपने संबंधों को लगातार नया रूप दे रहा है. इस पूरी प्रक्रिया में भारत सबसे प्रमुख और महत्वपूर्ण देशों की सूची में शामिल है. उन्होंने आगे कहा कि आज के समय में अधिक मजबूत साझेदारियां बनाना बहुत जरूरी है और इसीलिए इजरायल भारत के साथ अपने रणनीतिक रिश्तों में भारी निवेश कर रहा हैभारत और इजरायल के रिश्ते पिछले एक दशक में बहुत तेजी से बदले हैं और बेहद मजबूत हुए हैं. विशेष रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के दौर में दोनों देशों का आपसी सहयोग काफी बढ़ गया है.

फीचर

फिल्म भाई तेरा स्टार है में राघव जुयाल की बहन का किरदार निभाकर छाई पार्वती ओमनाकुट्टन

बॉलीवुड एक्टर और डांसर राघव जुयाल इन दिनों फिल्म भाई तेरा स्टार है को लेकर चर्चा में हैं. उनकी ये कॉमेडी फिल्म 30 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, लेकिन ये बॉक्स ऑफिस पर

उम्मीद के मुताबिक परफॉर्म नहीं कर रही. हालांकि, फिल्म की स्टारकास्ट लगातार सुर्खियां बटोर रही है. इसी बीच एक नाम जिसने लोगों का ध्यान खींचा है, वो है पार्वती ओमनाकुट्टन.

पार्वती ओमनाकुट्टन फिल्म भाई तेरा स्टार है में राघव जुयाल (अजय) की बहन नताशा का किरदार निभा रही हैं. फिल्म में उनकी एक्टिंग को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है और सोशल मीडिया पर भी उनकी खूब तारीफ हो रही है. ऐसे में लोग जानना चाहते हैं कि आखिर पार्वती ओमनाकुट्टन कौन हैं और उनका अब तक का सफर कैसा रहा है.

पार्वती ओमनाकुट्टन जानी-मानी एक्ट्रेस, मॉडल और एक्स ब्यूटी क्वीन हैं. उनका जन्म 13 जुलाई 1987 को केरल के कोट्टायम में हुआ था, लेकिन उनकी परवरिश मुंबई में हुई थी. साल 2008 में उन्होंने फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड का खिताब अपने नाम किया था.

इसके बाद उन्होंने मिस वर्ल्ड 2008 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जहां वो फर्स्ट रनर-अप रहीं. साथ ही उन्हें मिस वर्ल्ड एशिया एंड ओशियाना का खिताब भी मिला.

ब्यूटी पेजेंट में सफलता हासिल करने के बाद पार्वती ओमनाकुट्टन ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा. उन्होंने साल 2011 में फिल्म यूनाइटेड सिक्स से बॉलीवुड डेब्यू किया. इसके बाद वो तमिल फिल्म बिल्ला 2, हिंदी फिल्म पिज्जा और मलयालम फिल्म कसबा समेत कई फिल्मों में नजर आईं. पार्वती रियलिटी शो खतरों के खिलाड़ी 7 में भी नजर आ चुकी हैं. भाई तेरा स्टार है से पहले वो शॉर्ट फिल्म दोबारा में नजर आई थीं.

महारानी सीजन 4 के लिए तैयारी शुरू, रानी भारती बनकर कब लौटेंगी हुमा कुरैशी ?

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी की लोकप्रिय सीरीज महारानी के अब तक 3 सीजन आ चुके हैं। सोनी लिव पर आए इस राजनीतिक ड्रामा में उन्होंने रानी भारती का किरदार निभाकर खूब वाहवाही बटोरी। खबर है कि निर्माताओं ने सीरीज

के चौथे सीजन को बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए मुख्य रचनात्मक टीम भी वापस आ रही है। इस हफ्ते से हुमा महारानी सीजन 4 की शूटिंग में व्यस्त हो जाएंगी।रिपोर्ट के मुताबिक, महारानी सीजन 4 का शूटिंग कार्य 6 अगस्त से शुरू किया जाएगा। अपने किरदार रानी भारती के रूप में अभिनेत्री फिर से वापसी करेंगी।

कुछ वक्त शूटिंग करने के बाद, हुमा थोड़े समय के लिए ब्रेक लेकर आगामी फिल्म टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के प्रचार में जुटेंगी।

यश अभिनीत ये फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इसमें हुमा के अलावा, कियारा आडवाणी, नयनतारा, रुक्मिणी वसंत और तारा सुतारिया भी हैं।रिपोर्ट के अनुसार, टॉक्सिक के प्रचार अभियान के बाद, हुमा बाकी बची शूटिंग पूरी करने के लिए महारानी के सेट पर वापस लौटेंगी। हालांकि, नए सीजन के लिए किसी और कलाकार को अंतिम रूप नहीं दिया गया है।कहानी को लेकर भी जानकारी को गुप्त रखा जा रहा है, हालांकि निर्माता जनवरी, 2027 में सीरीज को रिलीज करने की योजना बना रहे हैं।हुमा को आखिरी बार फिल्म बेबी डू डाई डू में देखा गया था।

स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक है भिंडी, जानिए इसके फायदे

भिंडी एक लोकप्रिय सब्जी है, जो भारतीय रसोई में बहुत इस्तेमाल की जाती है। आमतौर पर इसे खाने में स्वादिष्ट माना जाता है, लेकिन इसके कई अनजाने स्वास्थ्य लाभ भी होते हैं। भिंडी में विटामिन, मिनरल्स और फाइबर की भरपूर मात्रा होती है, जो हमारे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद हैं। आइए आज हम आपको भिंडी के सेवन से मिलने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताते हैं।

पाचन क्रिया को स्वस्थ रखने में है सहायक

भिंडी का सेवन पाचन क्रिया के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद फाइबर पाचन को सुधारने में मदद करता है और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।इसके अलावा फाइबर भोजन को आसानी से पचाने में भी मदद करता है और आंत को स्वस्थ रखता है।भिंडी में मौजूद प्राकृतिक तत्व भी पाचन क्रिया को बेहतर बनाने में योगदान देते हैं, जिससे पेट संबंधी समस्याओं का खतरा कम होता है।

रक्त शर्करा को नियंत्रित करने में है कारगर

भिंडी का सेवन रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। इसमें प्राकृतिक गुण होते हैं, जो रक्त शर्करा को कम करने में सहायक होते हैं।नियमित रूप से भिंडी खाने से इंसुलिन के स्तर में सुधार होता है, जिससे रक्त शर्करा को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है।हालांकि, आपको मधुमेह है तो डॉक्टर की सलाह के बाद ही अपनी डाइट में कुछ भी शामिल करें।

वजन प्रबंधन में है मददगार

अगर आप वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं तो अपनी डाइट में भिंडी को जरूर शामिल करें।इसमें मौजूद फाइबर आपको लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे आप कम कैलोरी लेते हैं।इसके अलावा भिंडी में कम कैलोरी होती है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।भिंडी का सेवन शरीर की ऊर्जा को बढ़ाता है, जिससे शरीर अधिक कैलोरी जलाता है और वजन घटाने में मदद मिलती है।

आंखों के स्वास्थ्य के लिए है फायदेमंद

भिंडी में विटामिन होते हैं, जो आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। ये विटामिन दृष्टि क्षमता को सुधारने में मदद करते हैं और आंखों की रोशनी को बेहतर बनाते हैं। इसके अलावा इनमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स आंखों को हानिकारक तत्वों से बचाते हैं।नियमित रूप से भिंडी खाने से आंखों की समस्याओं का खतरा कम होता है और आंखों की रोशनी साफ रहती है।

गर्भवती महिलाओं के लिए है लाभकारी

गर्भवती महिलाओं के लिए भी भिंडी बहुत फायदेमंद होती है क्योंकि इसमें फोलेट नामक तत्व होता है, जो गर्भ में बच्चे के विकास में अहम भूमिका निभाता है।

फोलेट गर्भावस्था के दौरान होने वाली समस्याओं से बचाव करता है।इसके अलावा गर्भावस्था में होने वाली कमियों को दूर करने में भी सहायक है। इसलिए गर्भवती महिलाओं के लिए इसे अपनी डाइट में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है।

अपनी दिनचर्या में लेमनग्रास को शामिल करने के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

लेमनग्रास एक ऐसा पौधा है, जो न केवल आपके खाने का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि आपकी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद है। यह पौधा विटामिन-सी, पोटाशियम और मैंगनीज जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसके अलावा इसमें ऐसे गुण होते हैं जो शरीर की सफाई और सूजन को कम करने में मदद करते हैं। आइए जानते हैं कि रोजमर्रा की गतिविधियों में लेमनग्रास को कैसे शामिल किया जा सकता है ताकि इसका भरपूर फायदा मिल सके।

सुबह की चाय में करें शामिल

सुबह की चाय में लेमनग्रास डालने से इसका स्वाद और पौष्टिकता दोनों बढ़ जाते हैं।इसे बनाने के लिए एक पैन में पानी उबालें और उसमें कुछ ताजे लेमनग्रास के पत्ते डालें। इसे 5-10 मिनट तक उबलने दें, फिर इसे छानकर पिएं।यह चाय न केवल आपको ताजगी देती है, बल्कि आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी मजबूत बनाती है और शरीर को साफ करने में मदद करती है।

खाना बनाने में करें इस्तेमाल

लेमनग्रास का इस्तेमाल आप अपने खाने में भी कर सकते हैं। यह करी, सूप और सब्जियों में एक अनोखा स्वाद जोड़ता है।इसे इस्तेमाल करने के लिए सबसे पहले लेमनग्रास के डंठल को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें और फिर इन्हें अपने व्यंजन में डालें।इससे न केवल खाने का स्वाद बढ़ेगा बल्कि इसमें मौजूद पोषक तत्व भी मिलेंगे, जो आपकी सेहत

के लिए फायदेमंद हैं।

सुगंध चिकित्सा के लिए करें इस्तेमाल

लेमनग्रास का तेल सुगंध चिकित्सा में बहुत काम आता है। यह तनाव को कम करने और अच्छी नींद लाने में मदद करता है।इसे इस्तेमाल करने के लिए एक सुगंध फैलाने वाले यंत्र में कुछ बूंदें लेमनग्रास तेल की डालें और इसे चालू कर दें।अगर आपके पास यह यंत्र नहीं है तो एक कमरे में छिड़कने वाला घोल बना सकते हैं। इसके लिए पानी में कुछ बूंदें लेमनग्रास तेल मिलाकर बोतल में भर लें और कमरे में छिड़काव करें।

त्वचा की देखभाल में सहायक

लेमनग्रास तेल त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह त्वचा की सफाई करता है, रोमछिद्रों को खोलता है और त्वचा की चमक बढ़ाता है।इसे इस्तेमाल करने के लिए एक चम्मच नारियल तेल में 2-3 बूंदें लेमनग्रास तेल मिलाएं और इसे अपने चेहरे पर हल्के हाथों से मालिश करें, फिर गुनगुने पानी से धो लें।यह उपाय त्वचा को ताजगी और नमी प्रदान करता है, जिससे आपकी त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनी रहती है।

बालों की देखभाल करने वाला है

लेमनग्रास तेल बालों की देखभाल करने में भी मदद करता है।

यह सिर की खुजली को दूर करने, बालों की जड़ों को मजबूत बनाने और उन्हें चमकदार बनाता है।इसके लिए एक चम्मच नारियल तेल में 2-3 बूंदें लेमनग्रास तेल मिलाएं और इसे अपने सिर की मालिश करें, फिर शैंपू से धो लें।इस तरह आप आसानी से अपने रोजमर्रा की गतिविधियों में लेमनग्रास को शामिल कर सकते हैं और इसका भरपूर फायदा उठा सकते हैं।

चेकिंग के दौरान दो चोरी की बाइक बरामद

रायपुर, (आरएनएस)। पुलिस कमिश्नरेट रायपुर की यातायात पुलिस ने वाहन चेकिंग और नियमित पेट्रोलिंग के दौरान दो चोरी की मोटरसाइकिल बरामद कर बड़ी सफलता हासिल की है। टाटीबंध और पंडरी क्षेत्र में हुई अलग-अलग कार्रवाई में चोरी के वाहनों की पहचान कर उन्हें संबंधित थाना पुलिस के सुपुर्द किया गया। यातायात पुलिस की सतर्कता और आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से यह कार्रवाई संभव हो सकी।

पहली कार्रवाई टाटीबंध क्षेत्र में हुई, जहां आरक्षक प्रकाश देवांगन को जायका शोरूम के पास सर्विस रोड और मुख्य मार्ग के बीच नाली में एक लावारिस बाइक संदिग्ध अवस्था में मिली। मोबाइल डिवाइस से जांच करने पर वाहन क्रमांक सीजी 07 डीसी 5527 दुर्ग जिले के रसमड़ा निवासी कृपाल निषाद का निकला। वाहन स्वामी ने बताया कि उनकी बाइक दो दिन पहले चोरी हुई थी, जिसकी रिपोर्ट मोहन नगर थाना, दुर्ग में दर्ज है। इसके बाद बाइक को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित थाना पुलिस को सौंप दिया गया।

दूसरी कार्रवाई पंडरी क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान हुई। आरक्षक अरुण शुक्ला ने बिना नंबर की एक मोटरसाइकिल को रोककर उसके इंजन और चेसिस नंबर की जांच कराई। जांच में वाहन क्रमांक सीजी 12 ए सी 5553 बिलासपुर जिले के सोमेश कुमार का निकला। वाहन मालिक ने बताया कि बाइक चोरी होने की रिपोर्ट सिरगिट्टी थाना में दर्ज है। इसके बाद देवेंद्र नगर थाना की पेट्रोलिंग टीम को बुलाकर बाइक और चालक को उनके सुपुर्द कर दिया गया। डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अर्चना झा ने बताया कि नियमित पेट्रोलिंग, सघन वाहन चेकिंग और मोबाइल तकनीक के प्रभावी उपयोग से पिछले एक सप्ताह में तेलीबांधा, डूमरतराई, सरोना और पंडरी क्षेत्र से कुल चार चोरी के दोपहिया वाहन बरामद किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि यातायात पुलिस केवल यातायात व्यवस्था संभालने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपराध नियंत्रण और चोरी के वाहनों की बरामदगी में भी अहम भूमिका निभा रही है।

जग्गी हत्याकांड : शूटर चिमन सिंह को सुप्रीम कोर्ट से मिली जमानत

रायपुर,(आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के चर्चित राजनीतिक हत्याकांडों में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एमसीपी) के तत्कालीन प्रदेश कोषाध्यक्ष राम अवतार जग्गी हत्याकांड के दोषी शूटर चिमन सिंह को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई है। करीब दो दशक पुराने इस बहुचर्चित मामले में शीर्ष अदालत के आदेश के बाद आरोपी को अंतरिम राहत मिली है।

गौरतलब है कि 4 जून 2003 की रात राजधानी रायपुर के मौदहापारा थाना क्षेत्र में राम अवतार जग्गी की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज वारदात ने पूरे प्रदेश की राजनीति में हलचल मचा दी थी। उस समय जग्गी एनसीपी के प्रदेश कोषाध्यक्ष थे और उनकी हत्या को लेकर प्रदेशभर में व्यापक आक्रोश देखने को मिला था।पुलिस जांच के दौरान इस हत्याकांड में कई आरोपियों के नाम सामने आए थे। मामले में चिमन सिंह को शूटर के रूप में आरोपी बनाया गया था। लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद उसे दोषी ठहराया गया और वह सजा काट रहा था।आरोपी की ओर से सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की गई थी। सुनवाई के बाद शीर्ष अदालत ने चिमन सिंह को जमानत देने का आदेश दिया। हालांकि, अदालत में मामले की कानूनी प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। राम अवतार जग्गी हत्याकांड छत्तीसगढ़ के सबसे चर्चित राजनीतिक मामलों में शामिल रहा है। हत्या के बाद जांच, आरोपियों की गिरफ्तारी और लंबी न्यायिक प्रक्रिया लगातार चर्चा का विषय रही। इस मामले पर विभिन्न राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएं भी समय-समय पर सामने आती रही हैं।

चित्रकोट जल प्रपात के नीचे 90 फीट की गहराई में इंद्रावती नदी गढ़ती है प्राकृतिक शिवलिंग

जगदलपुर, (आरएनएस)। बस्तर की प्राणदायिनी इंद्रावती के किनारे बसे चंदेला, ककनर, तीरथा, घुमरमुंडपारा चित्रकोट के ग्रामीण शिव आराधना तो करते हैं, वहीं इंद्रावती नदी से संग्रहित प्रकृतिक शिवलिंग से बस्तर सहित आस-पास के नगरों में सैकड़ो शिवालय बन चुके हैं। संभागीय मुख्यालय जगदलपुर से 39 किमी दूर चित्रकोट जल प्रपात के नीचे करीब 90 फीट की गहराई में सैकडों वर्षों तक शिला-खंडों के आपस में घर्षण से गोल-अंडाकार प्रकृतिक शिवलिंग का निर्माण होता है। जब नदी में बाढ़ आती है, तो पानी के वेग में यह प्रकृतिक शिवलिंग घाटी में दूर तक बिखर जाती हैं। कुडक जाति के मछुआरे नदी से प्रकृतिक शिवलिंग एकत्र करते हैं और इन्हें तुलसी चौरा जैसे पवित्र स्थान पर सुरक्षित रखते हैं। जैसे ही कोई शिवभक्त प्रकृतिक शिवलिंग तलाशते हुए यहां पहुंचता है। ग्रामीण बड़े आदर के साथ उनके पसंद की प्रकृतिक शिवलिंग देते हैं। ग्राम चंदेला से हीराराम बताते हैं कि हम किसी से रूपये-पैसे मांगते नहीं। शिवालय बनाने वाले यह कहते है, कि पूजा पाठ का कोई भी सामान मुफ्त में नहीं लेना चाहिए, और वे दक्षिणा स्वरूप धोती-रूपये छोड़ जाते हैं। धूमरमुंड पारा के महेश कुडूक का कहना है कि हजारों शिवभक्त घुमरमुंड पारा चित्रकोट, तिरथा, ककनार, भेजा, चंदेला आदि

स्थानों से प्रकृतिक शिवलिंग ले जा चुके हैं। इंद्रावती से प्राप्त प्रकृतिक शिवलिंग को बस्तर के सैकड़ो शिवालयों में स्थापित किया जा चुका है। आज भी ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र के अलावा छत्तीसगढ़ के मैदानी इलाकों से लोग चित्रकोट आते हैं और श्रद्धाभाव से प्रकृतिक शिवलिंग ले जाते हैं।

रायपुर में अवैध हथियार के साथ दो युवक गिरफ्तार, राहगीरों को चाकू दिखाकर फैला रहे थे दहशत

रायपुर, (आरएनएस)। राजधानी रायपुर में अवैध हथियार लेकर लोगों को डराने-धमकाने वाले दो युवकों को टिकरापारा थाना पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई में गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के कब्जे से एक-एक धारदार लोहे का चाकू जब्त किया गया है।

पुलिस के अनुसार, 3 अगस्त को मुखबिर से सूचना मिली थी कि संतोषी नगर चौक-भाठागांव मार्ग और गोकुल नगर काठाडीह क्षेत्र में दो युवक चाकू लहराकर राहगीरों को आतंकित कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी राजेश कुमार मरई के नेतृत्व में दो अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन कर दोनों स्थानों पर घेराबंदी की गई।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने शुभम यादव (19 वर्ष) निवासी बीएसयूपी कॉलोनी, भाठागांव तथा मोहम्मद अनस हुसैन (22 वर्ष) निवासी गोकुल नगर, चिश्तिया कॉलोनी, टिकरापारा को अवैध हथियार के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। दोनों के कब्जे से एक-एक धारदार लोहे का चाकू बरामद किया गया।

छत्तीसगढ़ की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव का रायपुर में भव्य स्वागत, मुख्यमंत्री ने किया सम्मान, मिलेगी डीएसपी रैंक

रायपुर, (आरएनएस)। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारोत्तोलन के 53 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीतकर देश और छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाने वाली राजनांदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव का सोमवार को रायपुर में भव्य स्वागत किया गया। उप मुख्यमंत्री एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने नया रायपुर स्थित अपने निवास पर ज्ञानेश्वरी यादव का सम्मान कर उनकी उपलब्धि की सराहना की।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि ज्ञानेश्वरी यादव ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर कॉमनवेल्थ गेम्स में रजत पदक जीतकर भारत और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा ज्ञानेश्वरी यादव को डीएसपी रैंक देने की घोषणा खिलाड़ियों के सम्मान और प्रोत्साहन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

संघर्ष और मेहनत से हासिल की बड़ी सफलता

ज्ञानेश्वरी यादव ने इस मौके पर कहा कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। सरकार से मिल रहे सहयोग और सुविधाओं से खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

उन्होंने अपने संघर्षों को याद करते हुए बताया कि उनके पिता एक निजी कर्मचारी हैं। परिवार के सहयोग और खुद की मेहनत के दम पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है।

ज्ञानेश्वरी ने कहा कि उनका अगला लक्ष्य वर्ष 2030 में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना है और इसके लिए वह पूरी लगन से तैयारी करेंगी।

धरती आबा-जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत् तकनीकी सहयोगी संस्थाओं से 10 अगस्त तक आवेदन आमंत्रित

महासमुंद, (आरएनएस)। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के अतंर्गत वन अधिकार अधिनियम 2006 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा सामुदायिक वन संसाधनों के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रबंधन योजना के विकास के लिए जिला महासमुन्द में तकनीकी सहयोगी संस्थाओं, सिविल सोसायटी ऑर्गेनाइजेशन एवं स्थानीय संस्थाओं से 10 अगस्त 2026 तक आवेदन आमंत्रित किए गए है। कार्यालय कलेक्टर आदिवासी विकास महासमुन्द से जारी सूचना के अनुसार भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय एवं आयुक्त, आदिम जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास विभाग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप चयनित संस्थायें ग्राम सभाओं को सामुदायिक वन संसाधन संरक्षण एवं प्रबंधन योजना तैयार करने तथा उसके प्रभावी क्रियान्वयन में तकनीकी सहयोग प्रदान करेंगी, इसके लिये भारत सरकार द्वारा आवश्यक वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है।

(सूरजपुर) सूरजपुर जिले के रामानुजनगर वन परिक्षेत्र में अवैध वनोपज परिवहन पर अंकुश लगाते हुए वन अमले ने सागौन काष्ठ से लदे एक पिकअप वाहन को जब्त करने की उल्लेखनीय कार्रवाई की गई।

कांग्रेस नेता की हत्या पर कांग्रेस का सरकार पर हमला, दीपक बैज बोले- बिगड़ती कानून व्यवस्था से अपराधी बेखौफ

रायपुर, (ए.)। दुर्ग जिले में कांग्रेस नेता प्रकाश कश्यप की हत्या के बाद प्रदेश कांग्रेस ने राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने आरोप लगाया कि, प्रदेश में अपराध और अपराधी बेलगाम हो चुके हैं तथा पुलिस और सरकार अपराध रोकने में नाकाम साबित हो रही है।दीपक बैज ने कहा कि, दुर्ग के जेवरा सिरसा में कांग्रेस नेता प्रकाश कश्यप की घर जाते समय लूट की नीयत से चाकू मारकर हत्या कर दी गई। उन्होंने कहा कि, जांजगीर-चांपा में लिफ्ट मांगने के बहाने लूट का प्रयास और विरोध करने पर युवक की हत्या, वहीं बिलासपुर में नकाबपोशों द्वारा शराब दुकान में हमला कर गार्ड को बंधक बनाकर लूट जैसी घटनाएं प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था का उदाहरण हैं।कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि, राज्य में हत्या, लूट, बलात्कार और चाकूबाजी की घटनाओं में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों में असुरक्षा का माहौल है और महिलाएं भी सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं।बैज ने सक्ती में युवती की हत्या, कोरिया के सोनहत में चार लोगों को जिंदा जलाने, जैजेपुर में दो भाइयों की हत्या और पेण्ड्रा क्षेत्र में सराफा कारोबारी की गोली मारकर हत्या जैसी घटनाओं का उल्लेख करते हुए सरकार पर सवाल उठाए।उन्होंने आरोप लगाया कि, प्रदेश में नशे के कारोबार को मिल रहे संरक्षण के कारण हिंसक घटनाएं बढ़ रही हैं। अवैध शराब, नशीली दवाओं और अन्य मादक पदार्थों के कारोबार पर रोक लगाने में सरकार विफल रही है, जिससे अपराधियों के हौसले बढ़े हैं।दीपक बैज ने यह भी आरोप लगाया कि, अपराधी सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ वीडियो बनाकर दहशत फैला रहे हैं और पुलिस इस पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के कई हिस्सों में गोलीबारी, चाकूबाजी और गैंगवार की घटनाएं चिंता का विषय हैं।

खेल समाचार

लॉज़ेन डायमंड लीग में नीरज की नजर खिताब पर, अरशद नदीम समेत कई दिग्गजों से होगी टक्कर

नई दिल्ली,(ए.)। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा 21 अगस्त को होने वाली लॉज़ेन डायमंड लीग में एक बार फिर मैदान पर उतरेंगे। राष्ट्रमंडल खेल-2026 में रजत पदक जीतने के बाद नीरज अब सीजन के सबसे मजबूत पुरुष भाला फेंक मुकाबलों में हिस्सा लेंगे, जहां उनका सामना पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम, मौजूदा विश्व चैंपियन केशोर्न वॉलकॉट, पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स, पूर्व ओलंपिक चैंपियन थॉमस रोहलर और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता श्रीलंका के रुमेश पाथिरागे से होगा।ग्लास्गो राष्ट्रमंडल खेलों में नीरज ने अपने सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए दूसरे प्रयास में 85.83 मीटर का थ्रो फेंका था और रजत पदक अपने नाम किया था। श्रीलंका के रुमेश पाथिरागे ने 89.75 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था।लॉज़ेन डायमंड लीग के आयोजकों ने एक बयान में कहा, 21 अगस्त को एथलेटिसिमा में पिछले चार ओलंपिक और विश्व चैंपियनशिप के विजेता पांच सुपरस्टार भाला फेंक खिलाड़ी एक साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। यह असाधारण स्तर की प्रतियोगिता होगी। लॉज़ेन में यह नीरज की इस सत्र की दूसरी डायमंड लीग प्रतियोगिता होगी।

इससे पहले उन्होंने जून में दोहा डायमंड लीग में हिस्सा लिया था, जहां 85.69 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ चौथे स्थान पर रहे थे।28 वर्षीय नीरज का लॉज़ेन में प्रदर्शन पहले भी शानदार रहा है। वर्ष 2024 में उन्होंने 89.49 मीटर के थ्रो के साथ यहां दूसरा स्थान हासिल किया था। अब भारतीय स्टार एक बार फिर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ियों के बीच अपनी चुनौती पेश करने के लिए तैयार हैं।

रोल बाल स्पोर्ट्स एसोसिएशन की सचिव बनीं रिंपी सिंह

मुरादाबाद, (ए.)। उत्तर प्रदेश रोल बाल स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव संतोष कुमार श्रीवास्तव मंगलवार को मुरादाबाद में आयोजित बैठक में पहुंचे। बैठक में रोल बाल खेल विकास प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन और आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। मुरादाबाद में रोल बाल की नई सचिव के रूप में रिंपी सिंह के नाम की घोषणा की गई। कार्यकारिणी में डॉ. मनु मिश्रा को अध्यक्ष, रिंपी सिंह सचिव और लियाकत अली को कोषाध्यक्ष हैं। सभी नवनियुक्त पदाधिकारी का स्वागत सम्मान किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश रोल बाल एसोसिएशन के सचिव संतोष कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि नई टीम के गठन से मुरादाबाद जनपद में रोल बाल खेल को नई दिशा और मजबूती मिलेगी। रोल बाल प्रतियोगिताओं में स्थानीय खिलाड़ी प्रतिभाग करके पीतलनगरी का नाम रोशन करेंगे।

महिला क्रिकेट : तीसरे टी20 में पाकिस्तान की सांत्वना जीत, श्रीलंका ने 2-1 से जीती शृंखला

दांबुला (ए.)। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने श्रीलंका दौरे का समापन जीत के साथ किया। तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में पाकिस्तान ने श्रीलंका को चार विकेट से हराकर सांत्वना जीत दर्ज की। हालांकि, श्रीलंका पहले ही शुरुआती दो मैच जीतकर तीन मैचों की शृंखला 2-1 से अपने नाम कर चुका था। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने तेज शुरुआत की। कप्तान चमारी अटापथ्थु ने पहले ही ओवर में दो चौके लगाए और इमेशा दुलानी के साथ पहले विकेट के लिए 36 रन जोड़े। दुलानी के आउट होने के बाद संजना कविंदी ने भी आक्रामक बल्लेबाजी की और अथापथ्थु के साथ 36 रन की साझेदारी कर टीम को 11 ओवर में 72/1 के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। इसके बाद पाकिस्तान की गेंदबाज मोमिना रियासत ने 12वें ओवर में लगातार दो विकेट लेकर मैच का रुख बदल दिया।

डॉ. मनसुख मंडाविया ने वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया

नई दिल्ली (ए.)। खेलों की दुनिया में भारत वैश्विक स्तर पर लगातार अपना दबदबा बना रहा है। कॉमनवेल्थ गेम्स में हमने भारतीय एथलीटों का प्रदर्शन देखा ही है। इसके साथ ही निशानेबाजी, स्क्वैश और जूनियर खेलों में भी भारतीय एथलीटों ने दमदार प्रदर्शन करते हुए दुनिया में देश का नाम रौशन किया है। केंद्रीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने मंगलवार को दिल्ली में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 में पदक जीतने वाले युवा खिलाड़ियों को सम्मानित किया। डॉ. मनसुख मंडाविया ने वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप 2026 में स्वर्ण पदक जीतने वाली अनाहत सिंह और कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष जूनियर टीम (आर्यवीर दीवान, युशा नफीस और गुरवीर सिंह) को सम्मानित किया। 18 साल की अनाहत पिछले सप्ताह कनाडा में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियनशिप का महिला एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। इस प्रतियोगिता में यह उनकी पांचवीं भागीदारी थी और वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनका दूसरा पदक। उन्होंने पिछले साल काहिरा में कांस्य पदक जीता था।

डॉ. मंडाविया ने युवा खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए उनकी हालिया सफलता को एक बहुत लंबी यात्रा की शुरुआत मानने के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि आगे एशियाई खेल 2026 और ओलंपिक खेल 2028 जैसे बड़े पड़ाव आने वाले हैं।

अनाहत को उनकी इस बड़ी उपलब्धि पर बधाई देते हुए, डॉ. मंडाविया ने कहा कि उनकी ऐतिहासिक जीत लाखों युवा भारतीयों को स्क्वैश खेलने के लिए प्रेरित करने वाली है। अनाहत ने खेल मंत्री को अपने ऑटोग्राफ वाला स्क्वैश रैकेट और स्क्वैश बॉल भी भेंट किया।

खिलाड़ियों ने खेल मंत्री के साथ सेल्फी ली और अनौपचारिक बातचीत की। खिलाड़ियों को सम्मानित करने वाला यह कार्यक्रम के उनको प्रोत्साहित करने वाला और दिल को छू लेने वाला रहा।

केंद्रीय खेल मंत्री ने अपने एक्स अकाउंट पर एक छोटी से वीडियो साझा की है। इसमें स्क्वैश में पदक जीतने वाले खिलाड़ी उनके साथ सेल्फी लेते हुए नजर आ रहे हैं।

पाकिस्तान टीम को मिला नया बैटिंग गुरु, माइकल स्मिथ के कंधों पर बल्लेबाजी सुधारने की जिम्मेदारी

लाहौर (ए.)। लगातार खराब बल्लेबाजी के कारण आलोचनाओं का सामना कर रही पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने बड़ा बदलाव करते हुए

दक्षिण अफ्रीका के माइकल स्मिथ को पुरुष टीम का नया बैटिंग कोच नियुक्त किया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि स्मिथ अगले दो वर्षों तक टेस्ट और सीमित ओवरों, दोनों टीमों के साथ काम करेंगे।

46 वर्षीय माइकल स्मिथ इंग्लैंड के खिलाफ 19 अगस्त से शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टीम से जुड़ जाएंगे। फिलहाल पाकिस्तान की टीम वेस्टइंडीज दौरे पर टेस्ट सीरीज खेल रही है। बोर्ड को उम्मीद है कि स्मिथ के अनुभव से टीम की बल्लेबाजी को मजबूती मिलेगी और प्रदर्शन में सुधार होगा।

माइकल स्मिथ का घरेलू क्रिकेट करियर भी प्रभावशाली रहा है। उन्होंने 2003 से 2013 के बीच 89 फर्स्ट क्लास, 72 लिस्ट-ए और 16 टी20 मैच खेले। इस दौरान उन्होंने तीनों प्रारूपों में कुल 7,029 रन बनाए, जिसमें 9 शतक और 40 अर्धशतक शामिल हैं।

कोचिंग के क्षेत्र में भी स्मिथ का अनुभव काफी समृद्ध है। उनके पास लेवल-4 कोचिंग क्वालिफिकेशन है, जिसे क्रिकेट कोचिंग के सर्वोच्च प्रमाणपत्रों में गिना जाता है।

बराक लीजेंड्स ने वीजेडी पद्धति से गुवाहाटी रॉयल्स को तीन विकेट से हराया

गुवाहाटी, (ए.)। असम क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में मंगलवार को खेले गए इम्पीरियल ब्लू पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर असम प्रीमियर लीग के वर्षा प्रभावित सातवें मुकाबले में बराक लीजेंड्स ने गुवाहाटी रॉयल्स को वीजेडी पद्धति के तहत तीन विकेट से हरा दिया। बारिश के कारण संशोधित 19 ओवर में 118 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बराक लीजेंड्स ने सात विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। कप्तान सिबसांकर रॉय ने 36 रन और सौरव डे ने 29 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली, जबकि हर्ष कुमार और भार्गव प्रतिम ने नाबाद रहकर टीम को जीत दिलाई।इससे पहले पहले बल्लेबाजी करते हुए गुवाहाटी रॉयल्स ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए 20 ओवर में नौ विकेट पर 126 रन बनाए। निबिर डेका ने 47, ऋषव दास ने 30 और गुंजन ज्योति डेका ने 22 रन का योगदान दिया। बाराक लीजेंड्स की ओर से मोहित ठाकुर ने 3/12 और अब्दुल अजीज कुरैशी ने 2/16 विकेट लेकर शानदार गेंदबाजी की।

भारतीय खेल पार्क में सचिन तेंदुलकर समेत खेलों के नौ दिग्गजों की दिखेंगी मोम प्रतिमाएं

मुरादाबाद,(ए.)। खेल प्रेमियों के लिए मुरादाबाद जल्द ही एक नई पहचान बनाने जा रहा है। बुद्धि विहार फेज-2 में विकसित हो रहे प्रदेश के पहले भारतीय खेल पार्क में खेल जगत के दिग्गज खिलाड़ियों का वैक्स म्यूजियम तैयार किया जा रहा है। इस म्यूजियम में क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर समेत विभिन्न खेलों के नौ महान खिलाड़ियों की मोम की प्रतिमाएं लगाई जाएंगी। दावा है कि म्यूजियम का निर्माण सितम्बर माह के पहले सप्ताह में पूरा हो जाएगा, जिसके बाद इसका लोकार्पण कराया जाएगा।

नगर निगम की ओर से तैयार किए जा रहे इस वैक्स म्यूजियम को खेल पार्क का सबसे बड़ा आकर्षण बनाया जा रहा है। यहां आने वाले लोग अपने पसंदीदा खिलाड़ियों की जीवंत दिखने वाली मोम प्रतिमाओं के साथ तस्वीरें खिंचवा सकेंगे। म्यूजियम की छत का निर्माण अंतिम चरण में है और अंदरूनी कार्य भी तेजी से कराया जा रहा है। इस पार्क को विशेष तौर पर भारतीय खेलों की विरासत और विविधता को दर्शाने के लिए डिजाइन किया गया है। पार्क में लूडो, शतरंज, कबड्डी, खो-खो, गिल्ली-डंडा, मल्लखंभ, कुश्ती, हॉकी, कंचे, पिट्ठू, रस्साकशी, बाटा दौड़ जैसे पारंपरिक खेलों के साथ-साथ आधुनिक भारतीय खेलों की जानकारी भी उपलब्ध कराई जाएगी। यह पार्क न सिर्फ जानकारी देने का माध्यम होगा, बल्कि यहां खेलने की सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी ताकि बच्चे, युवा और बुजुर्ग इसका आनंद ले सकें। पार्क में डिजिटल स्क्रीन, इनफॉर्मेशन बोर्ड और खेल क्षेत्र विकसित किए जाएंगे, जहां खेलों की उत्पत्ति, नियम और उनके वैश्विक प्रभाव को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया जाएगा। नगर आयुक्त दिव्यांशु पटेल ने बताया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय पर पूरा कराने के निर्देश दिए गए हैं। म्यूजियम तैयार होने के बाद इसे आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। यह वैक्स म्यूजियम आठ करोड़ रुपये की लागत से बन रहे भारतीय खेल पार्क का हिस्सा होगा।

भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम का एलान, टायला व्लामिन्क और डार्सी ब्राउन की वापसी

मेलबर्न (ए.)। भारत दौरे के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से ऑस्ट्रेलिया ए महिला टीम का एलान कर दिया गया है। 15 सदस्यीय टीम में डार्सी ब्राउन और टायला व्लामिन्क की काफी लंबे वक्त के बाद वापसी हुई है। 27 वर्षीय टायला व्लामिन्क टी20 वर्ल्ड कप के दौरान कंधे में चोट की वजह से टीम से बाहर चल रही थीं। अब वे पूरी तरह से फिट हो गई हैं। टीम इंडिया के खिलाफ वनडे और टी20 में व्लामिन्क शानदार प्रदर्शन करने को बेताब है। वहीं, 23 वर्षीय डार्सी ब्राउन टी20 वर्ल्ड कप में जगह नहीं बना पाई थीं। लेकिन भारत दौरे के लिए ऑस्ट्रेलिया ए में उनको जगह मिली है। उनके अनुभव का युवा खिलाड़ियों को फायदा मिलेगा। बता दें कि तीन हफ्तों के इस टूर में न्यू चंडीगढ़ में तीन टी20, मोहाली में तीन एकदिवसीय मुकाबले और धर्मशाला में चार दिन का मैच शामिल है। वनडे मैचों की कप्तानी ताहलिया विल्सन के कंधों पर रहेगी। टी20 मैचों में कप्तानी की जिम्मेदारी निकोल फाल्टम संभालेंगी, जबकि चार दिवसीय मुकाबले में रेचल ट्रेनमैन कप्तानी करेंगी।

नेशनल सिलेक्टर शॉन फ्लेगलर ने कहा, दोनों ही ग्रुप में इंटरनेशनल खिलाड़ियों के चयन से हमारे कुछ युवा खिलाड़ियों को उनसे सीखने का अच्छा मौका मिलेगा। फ्लेगलर ने आगे कहा, खिलाड़ियों के पास सबकॉन्टिनेंटल कंडीशंस में अनुभव लेने और विपक्षी टीम के खिलाफ खुद को परखने का शानदार मौका है। किसी खिलाड़ी के करियर की शुरुआत के लिए भारतीय कंडीशन में खेलना काफी अच्छा होता है।

पूर्व नपाध्यक्ष वर्तमान पार्षद मीना वर्मा के वार्ड 18 के नागरिक त्रस्त

एक माह से पीने के पानी को तरस रहे हैं नागरिक

नर्मदापुरम (निप्र)। पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष वर्तमान में वार्ड 18 की पार्षद कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री मीना वर्मा के वार्ड में बीते एक माह से वार्ड वासी पीने के पानी को लेकर त्रस्त हैं। श्रीमती वर्मा ने बताया कि वार्ड के नागरिकों की पीने के पानी की समस्या के संबंध में नगर पालिका की पूर्व सीएमओ सहित अन्य अधिकारियों कर्मचारियों यहां तक की अध्यक्ष तक व सभी जबावदारों को अगवत कराने के बाद भी समस्या का निदान नहीं हो सका है। लोग एक माह से पानी के लिए तरस रहे हैं। लेकिन नगर पालिका के द्वारा जल प्रदाय व्यवस्था ठीक नहीं की जा रही है। इससे नागरिकों में नाराजगी बनी हुई है। उन्होंने बताया कि आज वार्ड के नागरिकों ने नगर पालिका के खिलाफ नाराजगी व्यक्त करते हुए नारेबाजी की है। उनका कहना है कि यदि पेय जल व्यवस्था में सुधार जल्द नहीं हुआ तो वार्ड के नागरिकों के साथ मिलकर आंदोलन को मजबूर होना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारे वार्ड के हमारे शहर के लोग बहुत धैर्यवान हैं लेकिन नगर पालिका के अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं जिससे वार्ड के नागरिक महिने भर से बहुत परेशानी भुगत रहे हैं। उन्होंने बताया कि वार्ड में नियमित रूप से कचरा एकत्रित करने वाले वाहन भी नहीं आते हैं। इस तरह की लापरवाही अब बर्दास्त नहीं होगी। अब हमें निवेदन नहीं एक्शन में आना पड़ेगा।

कांग्रेसी कह रहे हैं दतिया चुनाव तो झांकी है अभी बड़े चुनाव बांकी हैं

कांग्रेसियों में बढ़ता जा रहा है जोश, तेजी से दिख रही है सक्रियता दतिया चुनाव की हार से भाजपाईयों में छाई निराशा

नर्मदापुरम (निप्र)। दतिया उप चुनाव के परिणाम आने के बाद कांग्रेसियों में कुछ ज्यादा ही उत्साह उमंग और जोश देखने को मिल रहा है। भाजपा में कुछ निराशा छाई हुई लग रही है।

हर तरफ दतिया चुनाव में भाजपा की करारी हार को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। चाहे युवा हो या किसान हो या अन्य नागरिकों यहां तक की सब्जी बेचने वाले हाथ ठेला चलाने वाले भी अब खुल कर बोल रहे हैं कि भाजपा ने जिस प्रकार हठधर्मिता की हदें पार कर दी हैं, नीट पेपर आउट के मामले में आंदोलन कर रहे युवाओं के साथ जमकर मारपीट कराई है। उससे भाजपा की छबी पर बहुत बुरा असर पड़ा है। किसानों को आंदोलन करने को मजबूर होना पड़ रहा है। वोट की राजनीति में जिस प्रकार आरक्षण दिया जा रहा है उससे भी बहुत बड़ा वर्ग नाराज है। इन तमाम बातों को लेकर यही चर्चा हो रही है कि अब लोग भूलने वाले नहीं हैं। जिस प्रकार से उप चुनाव में भाजपा प्रत्याशी की जीत के लिए भाजपा सरकार के अनेक मंत्री, विधायक व संगठन ने ताकत झोंकी थी। बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा के समर्थन में स्टीफा दिया था। यह सब लोग देख रहे थे।

दतिया के मतदाताओं ने भी पूरा तमाशा देखा है। उसके बाद जब कांग्रेस को विजय मिली है। तो पूरे प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनता नजर आ रहा है। कांग्रेसियों में विशेष उत्साह के साथ जोश दिख रहा है। कांग्रेसियों में कुछ समय से सक्रियता बढ़ रही है। वहीं दतिया चुनाव में हुई हार से अनेक भाजपाईयों को निराशा लगी है।

आने वाले हैं पंचायत चुनाव और नगर पालिका चुनाव

निर्धारित समय के अनुसार अगले वर्ष पंचायत प्रतिनिधियों और नगर पालिका का कार्यकाल पूरा होने जा रहा है। जिसे लेकर भी कांग्रेस भाजपा में अभी से सक्रियता बड़ती जा रही है। अनेक दावेदार तैयारी करने में लग रहे हैं। अब यह चुनाव भाजपा के लिए आसान नहीं होंगे। क्योंकि भाजपा की किरकिरी तेजी से हो रही है। यह बात पूर्व में जब दिग्विजय सिंह की सरकार जाने वाली थी तब कांग्रेसियों को भी लगने लगा था कि अति होने लगी है। अब कुछ उसी तरह भाजपा के समझदारों को एहसास होने लगा है।

राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने केंद्रीय मंत्री से की चर्चा

पचमढ़ी हवाई पट्टी व मढ़ई में हेलीकॉप्टर सेवा शुरू की जाए

नई दिल्ली। नर्मदापुरम(निप्र)। मध्यप्रदेश से राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु से शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान नर्मदापुरम जिले के पर्यटन विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। मुलाकात में विशेष रूप से पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण पचमढ़ी हवाई पट्टी के विकास तथा मढ़ई पर्यटन स्थल के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू किए जाने के विषय पर विचार.विमर्श किया गया। सांसद माया नारोलिया ने बताया कि इन सुविधाओं के विकसित होने से क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय लोगों को भी बेहतर हवाई संपर्क का लाभ मिल सकेगा। इस अवसर पर झालावाड़ लोकसभा सांसद दुष्यंत सिंह, लोकसभा सांसद श्रीकांत शिंदे तथा पूर्व मंडल अध्यक्ष विकास नारोलिया भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में हवाई संपर्क के विस्तारए नागरिक उड्डयन क्षेत्र को मजबूत बनाने तथा क्षेत्रीय विकास से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर भी सार्थक चर्चा की गई।

नेहा चावरे नर्मदापुरम जिला महिला कांग्रेस की अध्यक्ष पद पर नियुक्त

इटारसी। नर्मदापुरम (निप्र)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा की अनुशंसा पर प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष रीना बौरासी द्वारा नर्मदापुरम जिला महिला कांग्रेस के अध्यक्ष पद पर नेहा चावरे को नियुक्त किया गया है। इस अवसर पर कांग्रेस जनों ने अखिल भारतीय राष्ट्रीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी मध्य प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ कांग्रेस नेता मानक अग्रवाल जिला कांग्रेस प्रभारी संजय शर्मा नर्मदापुरम जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष शिवाकांत गुड्डुन पांडेय जिला कांग्रेस संगठन महासचिव मधुसूदन यादव एवं पूर्व महिला जिला अध्यक्ष श्रीमती माधवी मिश्रा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए नवनियुक्त जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष नेहा चावरे को जिला कांग्रेस परिवार की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं।

नपा नेता प्रतिपक्ष ने सीएमओ से लिखित में मांगा विकास कार्यों पर हुए खर्च का ब्योरा

नर्मदापुरम (निप्र)। नगर पालिका में नेता प्रतिपक्ष अनोखे लाल राजोरिया ने सीएमओ को एक पत्र लिखते हुए शहर में संचालित विभिन्न कार्यों का ब्योरा मांगा है। जिन पांच विषयों की जानकारी चाही गई है उनमें प्रमुख रूप से

भोपाल तिराहा सौन्दरीकरण के विल वाऊचर वर्कआडर नक्शा तकनीकि स्वीकृति एवं सम्पूर्ण कार्य में कितनी राशि खर्च हुई उपलब्ध कराए।

माँ नर्मदा नदी के किनारे निर्माण राजघाट की तकनिकी स्वीकृति, नक्शा, वर्कआर्डर, अभी तक हुए निर्माण कार्य के विल वाउचर कितनी राशि खर्च हुई उपलब्ध कराए।

कोई भी हितग्राही नगर का निवासी अपने मकान दुकान एवं अन्य सम्वंधित कर का भुगतान नगर पालिका कांउटर से प्राप्त कर रसीद जारी करता था उस कर्मचारी अधिकारी का नाम पदनाम कब से कब तक कौन कौन रहा जानकारी देवे।

नगर पालिका परिषद काउंटर प्राप्त आमदनी को चालान के माध्यम से केशियर को कौन कौन जमा करता था, उसके नाम पदनाम एवं उसके आदेश की प्रति एवं इसको चेक कौन करता थां। उसका नाम पदनाम बतलाएं। इसकी समीक्षा हुई उसकी जानकारी देवे। ईदगाह क्षेत्र कचरा घर की क्या स्थिति है अवगत कराए।

इटारसी में 5 अगस्त को होगा बलराम कृषि महोत्सव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्चुअली होंगे शामिल

नर्मदापुरम (निप्र)। कृषि क्षेत्र में नवाचार, आधुनिक तकनीकों के प्रसार एवं किसानों को नवीन कृषि पद्धतियों से अवगत कराने के उद्देश्य से 5 अगस्त 2026 को प्रात: 11:00 बजे इटारसी स्थित कृषि उपज मंडी परिसर में बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव वर्चुअल माध्यम से जुड़कर किसानों को संबोधित करेंगे। वहीं मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण विभाग मंत्री एवं नर्मदापुरम जिले के प्रभारी मंत्री राकेश सिंह कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहकर अपनी सहभागिता देंगे।बलराम कृषि महोत्सव में किसानों के लिए उन्नत कृषि तकनीकों, आधुनिक कृषि यंत्रों एवं वैज्ञानिक खेती की नवीनतम पद्धतियों का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही कृषि विभाग एवं संबंधित संस्थाओं द्वारा किसानों को फसल उत्पादन, प्राकृतिक खेती, कृषि विविधीकरण, शासकीय योजनाओं तथा कृषि से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी।

ओवरब्रिज सहित सभी मार्गों पर उभरे गड्ढों से बढ़ रही परेशानी

शहर की सड़के खुदी पड़ी हैं, मार्ग पर लगता है बार बार जाम

नर्मदापुरम (निप्र)। शहर में इस बार कम बारिश के बावजूद शहर के अनेक स्थानों की सड़कों पर गड्डे उभर आए हैं। ओवरब्रिज सहित लोकनिर्माण विभाग की सड़कों में अनेक स्थानों पर गढ़ढे बढ़ते जा रहे हैं। ओवरब्रिज और पीडब्ल्यूडी की बदहाल सड़कों के गढ्डों के कारण वाहन चालककों को परेशानी हो रही है। गड्ढे भरने की मांग वाहन चालकों के द्वारा की जा रही है। ब्रिज कार्पोरेशन एवं लोक निर्माण विभाग ध्यान नहीं दे रहा है। इसके साथ ही शहर के अनेक स्थानों की सड़के खुदी पड़ी है मरम्मत के नाम पर खाना पूर्ति की गई है। जिससे बार बार अनेक स्थानों पर जाम लगने की नौबत आ जाती है। शासन प्रशासन में बैठे जबावदारों के द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। शहर वासी काफी परेशान हैं। पिछले दिनों मंडी के पास पाइप लाइन डाली गई जिससे मंडी के गेट पर ही दल दल हो गई। ठेकेदार को अनेक लोगों ने परेशानी बताई लेकिन उसने कोई ध्यान नहीं दिया। सुपरवाईजर से कहने पर भी उसने कोई सुधर नहीं किया। मंडी के गेट पर अनेक वाहन गिर रहे हैं। लेकिन लापरवाह ध्यान नहीं दे रहे हैं। नगर पाालिका में प्रतिपक्ष नेता अनोखे राजोरिया का कहना है कि शहर में किसी भी समस्या को सुनने वाला कोई नहीं है।

ग्रीन - क्लीन और प्लास्टिक मुक्त थीम पर नागद्वारी मेले का आयोजन होगा

श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता : कलेक्टर

ड्यूटी पर तैनात अधिकारी एक दिन पूर्व पहुंचें, प्लास्टिक बोतलों की होगी सघन निगरानी

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने आगामी नागद्वारी मेले की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले में ड्यूटी पर लगाए गए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी निर्धारित तिथि से एक दिन पूर्व ही अपने कार्यस्थल पर पहुंचना सुनिश्चित करें, ताकि व्यवस्थाओं का समय रहते परीक्षण एवं सुचारु संचालन किया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि मेला समिति श्रद्धालुओं की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करे, जिससे दर्शन एवं यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि इस वर्ष नागद्वारी मेले का आयोजन ग्रीनबैर क्लीन की थीम पर किया जाए तथा इसे पूर्णत: प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए प्रभावी एवं व्यवहारिक कदम उठाए जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि मेले में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की सघन जांच की जाए तथा प्लास्टिक की बोतलों एवं अन्य एकल-उपयोग प्लास्टिक सामग्री पर प्रभावी नियंत्रण रखा जाए। जांच स्थल पर यह सुनिश्चित किया जाए कि जिस वाहन में जितनी प्लास्टिक की बोतलें मेले के भीतर ले जाई जा रही हैं, वापसी के समय उतनी ही संख्या में वे बोतलें वाहन में वापस उपलब्ध हों। कलेक्टर ने कहा कि इस व्यवस्था से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कोई भी पर्यटक पचमढ़ी क्षेत्र में प्लास्टिक की बोतलें छोड़कर न जाए और पर्यावरण संरक्षण का उद्देश्य प्रभावी रूप से पूरा हो।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था सभी वाहनों पर समान रूप से लागू होगी, चाहे वे अधिकारियों के ही वाहन क्यों न हों। कलेक्टर ने मेले के दौरान स्वच्छता व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश देते हुए कहा कि कचरे के संग्रहण एवं वैज्ञानिक निस्तारण की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। श्रद्धालुओं को स्वच्छता के प्रति निरंतर जागरूक एवं प्रेरित किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि मेले में ड्यूटी पर तैनात विभिन्न विभाग अपने-अपने स्तर पर डस्टबिन स्थापित करें, ताकि कचरा इधर-उधर फैलने से रोका जा सके। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मेले में श्रद्धालुओं को कपड़े के थैले उपलब्ध कराए जाएं, जिससे प्लास्टिक की थैलियों के उपयोग को हतोत्साहित किया जा सके। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को भी निर्देशित किया कि मेले के दौरान चिकित्सा दल निरंतर सक्रिय रहें तथा आवश्यकता पड़ने पर श्रद्धालुओं को तत्काल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं।नागद्वारी मेले की धार्मिक एवं आध्यात्मिक गरिमा को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मेले के दौरान किसी भी प्रकार के नशीले एवं मादक पदार्थों का विक्रय नहीं होना चाहिए। उन्होंने संबंधित विभागों को सतत निगरानी एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित, स्वच्छ, पर्यावरण-अनुकूल एवं सुव्यवस्थित मेले का आयोजन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर हुए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

नर्मदापुरम(निप्र)। शासकीय गृहविज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निबंध भाषण प्रश्न मंच चित्रकला एवं पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ संगीता अहिरवार ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि महाविद्यालय में पखवाड़े भर से कारगिल विजय दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से छात्राओं को कारगिल युद्ध की विस्तृत जानकारी प्रदान करने के साथ ज्ञान वृद्धि करना है। इस अवसर पर छात्रों ने बढ़ . चढ़कर सहभागिता की चित्रलेखा अहिरवार सलोनी दुबे प्रिया सोनी दिशा शर्मा निर्मला राजपूत सलोनी राजपूत संध्या खुशी चंद्रोल हुमैयरा अली संगीता परसाई रिद्धि दुबे अंशिका मेहरा रंगीता झा ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ हेमंत चैधरी अजय तिवारी डॉ मनीषा तिवारी डॉ कीर्ति दीक्षित ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर श्रीमती मनीषा बाघमारे डॉ विजया देवासकर श्रीमती शिवानी जोशी ईशा शास्त्री पूजा जोशी एवं छात्राएं उपस्थित रही।

जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों पर अधिकारी तत्परता से करें कार्यवाही : कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जिला स्तरीय जनसुनवाई में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा कई प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण किया। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कुल

171 आवेदकों की समस्याएं सुनकर संबंधित विभागों के अधिकारियों को समय-सीमा में समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान नर्मदापुरम निवासी निलेश कुमार नागवंशी ने जनसुनवाई में कलेक्टर सोमेश मिश्रा को आवेदन सौंपा, जिसमें उन्होंने बताया कि उनके पुत्र के जाति प्रमाण पत्र में नाम संबंधी त्रुटि हो गई है। जिस पर कलेक्टर श्री मिश्रा ने अनुभवभागी अधिकारी नर्मदापुरम को नाम त्रुटि सुधार के लिए आवश्यक और त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। एक अन्य मामले में ग्राम कोहानी निवासी बुजुर्ग किसान छोटे वीर पटेल ने बायोमेट्रिक डिवाइस पर फिंगरप्रिंट नहीं आने से बिलिंग प्रक्रिया में समस्या के संबंध में आवेदन दिया। जिस पर श्री मिश्रा ने कहा के उम्रदराज होने के कारण बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट न आना एक स्वाभाविक समस्या है। किसी भी पात्र बुजुर्ग किसान को इस तकनीकी रुकावट के कारण योजना के लाभ से वंचित नहीं रखा जाए। ऐसे सभी किसानों की सूची तैयार कर समस्या का शीघ्र समाधान करने के लिए निर्देशित किया।

नर्मदापुरम जिले में 7 अगस्त से शुरु होगा मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान

नर्मदापुरम(निप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 नर्मदापुरम जिले में 7 अगस्त से प्रारंभ होगा। अभियान का उद्देश्य आम नागरिकों तक शासन-प्रशासन की पहुंच को और अधिक सशक्त बनाना, क्षेत्र भ्रमण के माध्यम से समस्याओं का मौके पर निराकरण करना, शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा करना तथा लोक सेवाओं का समय-सीमा में प्रदाय सुनिश्चित करना है।

अभियान के तहत प्रत्येक शुक्रवार जिले के नगर परिषद एवं जनपद पंचायत क्षेत्रों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में जिला प्रशासन, स्थानीय निकायों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहकर आम नागरिकों की समस्याएं सुनेंगे और उनका यथासंभव मौके पर ही निराकरण करेंगे। साथ ही विकास कार्यों, शासकीय योजनाओं, लोक सेवा गारंटी से संबंधित सेवाओं एवं अन्य जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा भी की जाएगी। अभियान के दौरान जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाएगा। यदि किसी समस्या का समाधान जिला स्तर पर संभव नहीं होगा अथवा राज्य स्तर के निर्णय, नीति, बजट या तकनीकी स्वीकृति की आवश्यकता होगी तो ऐसे प्रकरणों का संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर समयबद्ध निराकरण कराया जाएगा।

स्वस्थ दृष्टि उज्ज्वल भविष्य, स्प्रिंगडेल्स स्कूल में नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का सफल आयोजन

नर्मदापुरम (निप्र)। विद्यार्थियों एवं विद्यालय स्टाफ के बेहतर स्वास्थ्य और नेत्र सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विद्यालय परिसर में 4 अगस्त को नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर सेवा सदन आई हॉस्पिटल, भोपाल के सहयोग से आयोजित किया गया, जिसमें विशेषज्ञ नेत्र चिकित्सकों एवं प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों ने विद्यार्थियों तथा स्टाफ के नेत्रों की विस्तृत जाँच की।शिविर के दौरान विद्यार्थियों की दृष्टि क्षमता, आँखों की सामान्य समस्याओं तथा नेत्र स्वास्थ्य का परीक्षण किया गया। जिन विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों में किसी प्रकार की दृष्टि संबंधी समस्या पाई गईए उन्हें आवश्यक परामर्श एवं आगे के उपचार हेतु उचित मार्गदर्शन प्रदान किया गया। निदेशक सुभाशीष चटर्जी ने बताया कि आज के डिजिटल युग में मोबाइल, कंप्यूटर एवं अन्य स्क्रीन के बढ़ते उपयोग के कारण बच्चों में आँखों से जुड़ी समस्याएँ तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में हमारे विद्यालय समय-समय पर नेत्र परीक्षण आवश्यक रूप से आयोजित करता हैए जिससे समस्याओं की समय रहते पहचान कर उनका उपचार समाधान किया जा सके।इस अवसर पर प्राचार्य श्रीमती मोना चटर्जी ने कहा कि स्वस्थ आँखें ही विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला हैं। उत्तम दृष्टि से बच्चों की सीखने की क्षमता, आत्मविश्वास और शैक्षणिक प्रदर्शन में सकारात्मक परिणाम आता है।

विद्यालय विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए शिक्षा के साथ.साथ उनके स्वास्थ्य को भी समान महत्व देता है। विद्यालय प्रबंधन ने सेवा सदन आई हॉस्पिटल, भोपाल एवं चिकित्सक दल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाते रहेंगे ताकि विद्यार्थियों और कर्मचारियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com